लखनऊ

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

शुक्रवार, 31 जुलाई, 2026
वर्ष : 11 । अंक: 332
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

बुरे समय से कभी मत घबराओ, क्योंकि यही अच्छे समय की शुरुआत होती है।

TODAY WEATHER

DAY 32° Hi | NIGHT 28° Low

संक्षेप

'भाजपा के लोग आस्था के साथ विश्वासघात के महापाप के दोषी', अखिलेश सहित सपा सांसदों ने किया प्रदर्शन

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग आस्था के साथ विश्वासघात के महापाप और अपराध के दोषी हैं। उन्होंने एक्स पर कहा कि भाजपा और उनके संगी-साथी 'आस्था के साथ विश्वासघात के महापाप और अपराध' के दोषी हैं! देश की आस्थावान जनता का मानना है कि भाजपा और उनके संगी-साथियों ने 'श्रद्धा में सेंधमारी' करते हुए जिस तरह 'दान-पात्र' से चढ़ावा-चंदा चोरी की है। गुप्त दान में महा-घपले किये हैं। दान की रसीद दी ही नहीं है या दान के बदले नक़ली रसीद छपवाकर दी है। अपने लोगों को कौड़ियों के दाम में अयोध्या की जमीनें खरीदवाकर, फिर उसे बीसों गुना दाम में करोड़ों में मंदिर को बेचकर ट्रस्ट के 'धर्म-खाते' को लूटा है। जमीन के सौदे के अशुभ लाभ को आपस में बांटा है। ईमानदार लोगों द्वारा आपत्ति किये जाने पर उन्हें हटाया है। हर जगह अपने भ्रष्ट लोग सेट किये हैं। ये अक्षम्य महापाप है। उन्होंने आगे कहा कि चोरी की राशि की बरामदगी को दर्ज नहीं कराया गया है। जांच में कुछ भी 'उल्लेखनीय' नहीं है, ये कहकर गुमराह किया है। सीसीटीवी की रिकॉर्डिंग और अन्य सबूत मिटाए हैं जिनकी खुद की जांच चल रही है, उनसे जांच करवाई है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर मामले में बिना किसी की जिम्मेदारी तय किये, ट्रस्ट के उच्चस्थ पदाधिकारियों को क्लीन चिट दे दी गई है। मंदिर का धन और बहुमूल्य धातुओं को बोरों में भरकर कहीं और पहुँचाया है ये महापाप है। इसीलिए 'लोकधन की लूट' का मुद्दा लोक-संसद तक पहुँचाना और उठाना, हम सब का धर्म सम्मत कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि जो भाजपा का साथी है वो रामघाती-महापापी है।

3 अगस्त तक भारत के कई राज्यों में भारी बारिश का अनुमान, गरज चमक के साथ तेज हवा-बिजली गिरने का अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में तीन अगस्त तक व्यापक बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है। विभाग ने कई क्षेत्रों में अतिवृष्टि, गरज-चमक, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की चेतावनी जारी की है। यह स्थिति अगस्त के पहले सप्ताह तक रह सकती है। आईएमडी के बुधवार सुबह जारी बुलेटिन के अनुसार, उत्तर आंतरिक ओडिशा और दक्षिण झारखंड-छत्तीसगढ़ से लगे क्षेत्रों में बना गहरा दबाव पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। अगले 24 घंटे में इसके उत्तर आंतरिक ओडिशा और उत्तर छत्तीसगढ़ की ओर बढ़ने की संभावना है, जिससे उत्तर भारत के कई राज्यों में मानसून सक्रिय रहेगा। दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब में 29 से 31 जुलाई और दो से तीन अगस्त को व्यापक बारिश होने का अनुमान है। 1 अगस्त को बारिश में कुछ कमी आ सकती है। विभाग ने 30 जुलाई से तीन अगस्त के बीच कई स्थानों पर भारी बारिश और 29 जुलाई को कुछ क्षेत्रों में बहुत भारी बारिश होने की चेतावनी दी है।

विपक्ष पर सीएम योगी का तीखा हमला, बोले- 'सपा के पाप का पर्दा उठा तो मुंह दिखाने लायक नहीं बचेंगे'

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। गाजीपुर में 692 करोड़ रुपये की 268 विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कानून-व्यवस्था, विकास, माफिया और रोजगार जैसे मुद्दों पर सरकार की उपलब्धियां गिनाईं।

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को गाजीपुर दौरे के दौरान 692 करोड़ रुपये की लागत से तैयार 268 जनकल्याणकारी परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस अवसर पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ दलों की नीतियों के कारण गाजीपुर की पहचान प्रभावित हुई, जबकि वर्तमान सरकार विकास और सुशासन को प्राथमिकता दे रही है।

'गाजीपुर की पहचान पर संकट किसने खड़ा किया?'

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में गाजीपुर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि यह जनपद महावीर चक्र से सम्मानित शहीद राम उग्र पांडे, साहित्यकार कुबेरनाथ राय और गहमरी बाबू जैसी विभूतियों की धरती है। उन्होंने सवाल उठाया कि इतनी समृद्ध विरासत होने के बावजूद गाजीपुर की पहचान पर संकट क्यों आया और इसके लिए पूर्ववर्ती सरकारों को जिम्मेदार ठहराया।

रोजगार और परियोजनाओं का भी किया जिक्र

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के रोजगार, किसानों के हित और प्रदेश के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि गाजीपुर में शुरू की गई 692 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाएं जिले की कनेक्टिविटी, आर्थिक गतिविधियों और विकास को नई गति देंगी। उन्होंने जनता से विकास की निरंतरता बनाए रखने के लिए जनप्रतिनिधियों के चयन में सजग रहने की अपील भी की।

राष्ट्रनायकों के सम्मान का किया उल्लेख

सीएम योगी ने कहा कि वर्तमान सरकार राष्ट्रनायकों को सम्मान देने का कार्य कर रही है। उन्होंने महाराजा सुहेलदेव का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके सम्मान में स्मारक, प्रतिमा, मेडिकल कॉलेज और विश्वविद्यालय जैसी परियोजनाएं स्थापित की गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले की सरकारों ने राष्ट्रनायकों की उपेक्षा की और विदेशी आक्रांताओं को महत्व दिया।

महापुरुषों के नाम बदलने का लगाया आरोप

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पिछली सरकारों ने बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर, लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर और संत रविदास जैसे महापुरुषों के नाम पर स्थापित संस्थानों और योजनाओं के नाम बदलकर उनका अपमान किया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार महापुरुषों के सम्मान और विरासत को संरक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कानून-व्यवस्था और विकास पर सरकार का दावा

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अब कानून-व्यवस्था की स्थिति पहले की तुलना में काफी बेहतर हुई है। उन्होंने कहा कि पहले दंगे और कर्फ्यू आम बात थे, जबकि अब प्रदेश में निवेश, विकास और उत्सव का माहौल है। उन्होंने कहा कि सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति के चलते अपराध और माफिया के खिलाफ लगातार कार्रवाई की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में अपराधियों और माफिया को संरक्षण नहीं मिलेगा और कानून से ऊपर कोई नहीं है।

'शिक्षा में भ्रष्टाचार गहरा' : एमएच-सीईटी विवाद पर कांग्रेस ने उठाए सवाल; कहा- प्रधान का इस्तीफा बस शुरुआत है

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने गुरुवार को कहा कि भारत की शिक्षा प्रणाली में भ्रष्टाचार बहुत गहरा है। इसके साथ ही शिक्षा मंत्री के पद से धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा इसकी अखंडता को बहाल करने की लंबी यात्रा में सिर्फ पहला कदम है।

पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक मीडिया रिपोर्ट का स्क्रीनशॉट साझा किया, जिसमें दावा किया गया है कि महाराष्ट्र के प्रमुख संस्थानों में इंजीनियरिंग प्रवेश प्रक्रिया जांच के दायरे में आ गई है, क्योंकि परीक्षा केंद्रों में हेरफेर के आरोपों से जुड़े एक घोटाले का खुलासा हुआ है। रमेश ने एक्स पर कहा, 'भारत की शिक्षा प्रणाली में भ्रष्टाचार बहुत गहरा है। शिक्षा मंत्री प्रधान का इस्तीफा इसकी अखंडता को बहाल करने की लंबी यात्रा का पहला कदम मात्र है।'

उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों से इंजीनियरिंग के लिए महाराष्ट्र कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (एमएच-सीईटी) के परिणामों और कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षा के अंकों में अंतर रहा है। रमेश ने कहा कि एमएच-सीईटी में टॉप करने वाले छात्र बोर्ड परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह किसी साजिश का नतीजा है? क्या यह स्कूली शिक्षा की जगह कोचिंग के बढ़ते प्रचलन के कारण है? हमें गहराई से आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है। पूर्व पर्यावरण मंत्री ने कहा कि कागजी दस्तावेजों के रिसाव के मामलों में त्वरित अदालती कार्यवाही के लिए कानून पारित करना मात्र कोई समाधान नहीं है। यह कदम पिछले कुछ महीनों में सड़कों पर उतरे लाखों युवाओं की भावनाओं और जायज आक्रोश का अपमान करता है।

12 साल में भारतीय रेलवे ने दीं 5.56 लाख नौकरियां

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे में रोजगार को लेकर केंद्र सरकार ने संसद में बड़ा आंकड़ा पेश किया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में बताया कि वर्ष 2014 से जून 2026 तक भारतीय रेलवे में कुल 5.56 लाख लोगों की नियुक्ति की गई है। इन भर्तियों में विभिन्न श्रेणियों के पद शामिल हैं। मंत्री के अनुसार, इस अवधि में दक्षिण रेलवे में 50,485 कर्मचारियों की भर्ती हुई। रेल मंत्री ने पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल से तुलना करते हुए कहा कि 2004-05 से 2013-14 के बीच यूपीए सरकार के दौरान रेलवे में 4.11 लाख नियुक्तियां हुई थीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि रेलवे में भर्ती प्रक्रिया प्रत्येक जोन की आवश्यकता और उपलब्ध पदों के आधार पर संचालित की जाती है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि रेलवे भर्ती परीक्षाएं बड़े स्तर पर आयोजित की जाती हैं और पूरी प्रक्रिया निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुरूप पारदर्शी तरीके से संपन्न कराई जाती है।

'राजनीति करने में व्यस्त रही सरकार', विधेयक पर चर्चा के दौरान क्या बोले खरगे?

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बार-बार सामने आ रहे पेपर लीक के मामलों को लेकर केंद्र सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियां केंद्र सरकार के नियंत्रण में हैं और कई राज्यों में भाजपा की डबल इंजन सरकारें होने के बावजूद पेपर लीक की घटनाएं लगातार जारी हैं। खरगे ने कहा कि सीबीआई, एनटीए और ईडी जैसी संस्थाओं को स्वायत्तता दी जाती तो मौजूदा स्थिति को रोका जा सकता था।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज का आदेश सरकार ने दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस और केंद्रीय आरक्षित पुलिस बल (सीआरपीएफ) सीधे केंद्रीय गृह मंत्री के अधीन आते हैं। खरगे ने कहा कि गृह मंत्रालय की

मंजूरी के बिना यह सब नहीं हो सकता था। राज्यसभा को संबोधित करते हुए विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने दिल्ली में पुलिस की कथित बर्बरता पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बयान देने की मांग की। खरगे ने कहा, आप एक कमरे के अंदर बैठे हैं और किसी भी बात के लिए जवाबदेह नहीं हैं, लेकिन हम आपको बाहर लाएंगे। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकते।

राज्यसभा में गुरुवार को विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि भाजपा की राजनीति की वजह से देश को पेपर लीक, विरोध प्रदर्शन और पुलिस की बर्बरता जैसी घटनाएं देखनी पड़ीं। उन्होंने कहा, अगर पार्टी छोटी राजनीति में शामिल नहीं होती तो इन सभी घटनाओं को रोका जा सकता था। खरगे ने कहा कि प्रदर्शनकारियों को लगी हर चोट के लिए सरकार जिम्मेदार है। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को पेपर लीक रोकने वाले विधेयक को पहले नहीं लाए जाने पर सवाल उठाए। खरगे ने कहा कि केंद्र सरकार छात्रों के भविष्य को सुरक्षित करने के बजाय राजनीति करने में व्यस्त रही। उन्होंने आरोप लगाया, आप दिल्ली में हो रहे विरोध प्रदर्शनों को रोकने के लिए विधेयक लेकर आए हैं। आप सुधारों के लिए विधेयक लेकर नहीं आए हैं।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने 'गुनहगार हंसते रहे और मासूम सिसकते रहे' पंक्तियों के साथ अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा, विधेयक में नए प्रावधानों से कुछ नहीं होगा। जो अब कर रहे हैं, 2024 में क्यों नहीं किया। आंकड़े बदलने से कुछ नहीं होगा।

'मुगलों ने भी शिवाजी महाराज को कहा था चूहा'

युवाओं को 'कॉकरोच' कहने पर भड़के उद्धव-राज ठाकरे

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना-यूबीटी के प्रवक्ता हर्षल प्रधान की लिखी किताबों के लॉन्च के मौके पर एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे ने शिवसेना उद्धव ठाकरे से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि जिन्हें कॉकरोच कहा जा रहा है, वे 16-17 साल के हैं। मुगलों ने तो शिवाजी महाराज को भी 'चूहा' कहा था। और आप आज के युवाओं को कॉकरोच कह रहे हैं।

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के अध्यक्ष राज ठाकरे एक ही मंच पर नजर आए। इस दौरान दोनों ठाकरे भाइयों ने युवाओं के अपमान, केंद्र सरकार की नीतियों,

बेरोजगारी और देश में गिरते लोकतांत्रिक मूल्यों पर सरकार को जमकर आड़े हाथों लिया। इस दौरान उद्धव ठाकरे ने कहा कि आज अगर कोई व्यक्ति अपने अधिकार या न्याय मांगता है, तो उसे तुरंत 'देशविरोधी' या 'आतंकवादी' कह दिया जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर आज बालासाहेब ठाकरे जीवित होते, तो मौजूदा दौर में उन्हें भी 'हिंदू-विरोधी' कह दिया जाता, क्योंकि वे हमेशा कहते थे कि मानवता ही सबसे बड़ा धर्म है। 131वां संविधान संशोधन के तहत सांसदों की सीटें बढ़ाने के प्रस्ताव पर दोनों नेताओं ने सवाल उठाए। उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे का कहना था कि संसद का आकार बढ़ाने से अधिक महत्वपूर्ण देश के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना है। सरकार पहले रोजगार की व्यवस्था करें। राज ठाकरे ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के '200 साल तक बिना गड्ढों वाली सड़कें' वाले बयान पर कटाक्ष करते हुए कहा कि दूसरी तरफ कुछ पुल 15 दिन में ही गिर जाते हैं।

कांवड़ यात्रा में न आए कोई बाधा, अफवाह फैलाने वालों पर करें सख्त कार्रवाई, डीजीपी ने दिए निर्देश

बरेली। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव एसपी गोयल और डीजीपी राजीव कृष्ण ने बृहस्पतिवार को बरेली में मंडलीय समीक्षा बैठक में कांवड़ यात्रा की तैयारियों का जायजा लिया। बैठक में नौ जिलो के अधिकारियों ने भाग लिया। डीजीपी ने पुलिस अधिकारियों को तीसरे व चौथे सोमवार पर विशेष रूप से चौकसी बरतने के निर्देश दिए। डीजीपी ने कांवड़ रूट पर मांस मदिरा प्रतिबंधित रखने के लिए कहा है और साफ सफाई रखने के निर्देश दिए। डीजीपी ने अफवाह फैलाने पर सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए।

अराजक तत्वों से सख्ती से निपटने के लिए कहा है। कोई घटना होने पर क्यूआरटी टीम त्वरित कार्यवाही करेंगी। डीजे की आवाज और साइज के लिए डीजे संचालको से वार्ता कर निर्धारित करने के निर्देश दिए हैं।

पीओजेके में पाकिस्तान की बर्बरता पर बोलीं महबूबा मुफ़्ती, मानवीय रवैया अपनाएं, गोलीबारी रोकें

नई दिल्ली, एजेंसी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (PDP) की अध्यक्ष महबूबा मुफ़्ती ने गुरुवार को पाकिस्तान सरकार से ज़्यादा मानवीय रवैया अपनाने की अपील की। उन्होंने रावलकोट-PoJK में बढ़ती हिंसा और लाइन ऑफ़ कंट्रोल (LoC) के पार आम नागरिकों के विरोध-प्रदर्शनों पर की गई सख़्त कार्रवाई पर गहरा दुख जताया। X पर एक पोस्ट में मुफ़्ती ने इस दमन की निंदा करते हुए कहा कि जायज़ शिकायतों को सुनने के बजाय शांतिपूर्ण आवाज़ों का सामना गोलियों से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कश्मीर के दूसरे हिस्से यानी LoC के पार से आ रही तस्वीरें दिल दहला देने वाली हैं। शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के साथ बर्बरतापूर्ण बल प्रयोग होते देखना दुखद है। उन्होंने अपील की कि पाकिस्तान सरकार को शांतिपूर्ण

प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाना बंद करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान सरकार को ज़्यादा मानवीय रवैया अपनाना चाहिए और ताकत के इस्तेमाल के बजाय बातचीत का रास्ता चुनना चाहिए। रिपोर्ट्स बताती हैं कि प्रदर्शनकारियों की मांगें जायज़ हैं और उन पर ध्यान दिया जाना चाहिए। कोई भी देश अपने ही लोगों को कमज़ोर करके या बंदूक के दम पर उनकी आवाज़ दबाकर मज़बूत नहीं बनता। सरकार को दमनकारी कार्रवाई खत्म करनी चाहिए और शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाना बंद करना चाहिए। कश्मीरियों को सम्मान, न्याय और अपनी बात कहने का अधिकार मिलना चाहिए, न कि दमन का सामना करना पड़े।

हर दिन 171 करोड़ रुपए का टोल वसूल रहा एनएचएआई, बिहार से यूपी तक की रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में नेशनल हाईवे का नेटवर्क तेजी से बढ़ रहा है। साथ ही टोल कलेक्शन भी लगातार रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ रहा है। संसद में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने एक सवाल के जवाब में बताया कि पिछले तीन सालों में राष्ट्रीय राजमार्गों से फास्टटैग के जरिए करीबन 1।87 लाख करोड़ रुपये से अधिक का टोल वसूला गया है। इस राशि में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। अगर इस कलेक्शन पर रोजाना के टोल वसूली पर गौर करे तो रोजाना 171 करोड़ रुपये का टोल फास्टटैग से टोल वसूला गया।

अब सवाल यह है कि राष्ट्रीय राजमार्ग से जितना भी टोल मिलता है क्या वह राज्य सरकारों को भी मिलता है, तो इसका जवाब है नहींय यह सीधे भारत सरकार की कंसोलिडेटेड फंस में जाता है। फिर बजटीय आवंटन के जरिए पूरे देश में राष्ट्रीय राजमार्गों के

निर्माण, रखरखाव और विस्तार पर खर्च किया जाता है।

कुछ समय पहलेकेरल ने यह मांग उठाई थी कि उसने राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास में लगभग 5,800 करोड़ रुपये का योगदान दिया है, इसलिए उसे टोल का हिस्सा मिलना चाहिए। लेकिन सरकार ने कहा कि किसी राज्य को अलग से टोल राजस्व देने की कोई नीति नहीं है। हालांकि सरकार ने माना कि केरल में भूमि अधिग्रहण की लागत लगभग 23,350 करोड़ रुपये रही।

FASTag से कितनी टोल की हुई कमाई ?

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने 28 जुलाई को कांग्रेस के राज्यसभा सांसद के सवाल के जवाब में बताया कि इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन सिस्टम FASTag से होने वाली आय भी लगातार बढ़ रही है। 2023-24 में 55,882।12 करोड़ रुपये की आमदनी हुई थी। 2024-25 में 61,408।15 करोड़ और 2025-26 में 70,278।18 करोड़ रुपये मिले थे। यानी केवल तीन वर्षों में FASTag के माध्यम से 1,87,568।45 करोड़ रुपये का टोल वसूला जा चुका है।

FASTag को लेकर सरकार का क्या दावा है?

सरकार के मुताबिक 16 फरवरी 2021 से राष्ट्रीय राजमार्गों के सभी टोल प्लाजा को FASTag आधारित बनाया गया। इसका सबसे बड़ा असर प्रतीक्षा समय पर पड़ा। पहले मैनुअल टोल में औसतन 12।23 मिनट टोल प्लाजा से निकलने में लगते थे।अब इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन के जरिए औसतन करीब 40 सेकंड में वाहन टोल पार कर लेते हैं। सरकार का कहना है कि इससे वाहन चालकों का समय भी बचा और टोल प्लाजा पर जाम भी काफी कम हुआ। सरकार ने यह भी बताया कि वह टोल प्लाजा पर भीड़ की निगरानी के लिए GIS आधारित सिस्टम का भी इस्तेमाल कर रही है। हालांकि, सरकार के तमाम दावों के बावजूद हकीकत कुछ और है। टोल प्लाजाओं पर अब भी लंबी लाइन देखने को मिलती है।

सरकार टोल प्लाजाओं पर कौन सी प्रणाली लागू करने जा रही है?

सरकार अब मल्टी लेन फ्री फ्लो (MLFF) प्रणाली लागू कर रही है। इसमें ANPR (ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रिकॉग्नाइजेशन), AI आधारित कैमरे और FASTag (RFID) मिलकर व्हीकल की पहचान करेंगे और टोल अपने आप खाते से कट जाएगा। इस व्यवस्था में गाड़ी को रुकने की जरूरत नहीं होगी, गति धीमी नहीं करनी पड़ेगी, किसी विशेष लेन में जाने की आवश्यकता नहीं होगी। फिलहाल 17 टोल प्लाजाओं पर यह परियोजना शुरू की जा चुकी है, जिनमें से 5 प्लाजा पूरी तरह चालू हैं। ये गुजरात, दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान में स्थित हैं। इसके अलावा 104 और टोल प्लाजा इस नई प्रणाली के लिए चिन्हित किए गए हैं।सरकार ने यह भी बताया कि उसने टोल नियमों में भी कई जरूरी बदलाव किए ताकिवाहन चालकों पर आर्थिक बोझ कम किया जा सके।

टोल नियमों में सरकार ने कौन से संशोधन किए?

गैर-व्यावसायिक कार, जीप और वैन के लिए 3,000 रुपये का वार्षिक पास लागू किया गया।

200 बार या एक वर्ष तक टोल पार किया जा सकता है।

UPI से भुगतान करने पर बिना FASTag वाले वाहनों के लिए एक्सट्रा फीस को दो गुना से घटाकर 1।25 गुना किया गया।

सरकार का ये है अगला लक्ष्य

फिलहाल भारत में टोल सिस्टम पूरी तरह से डिजिटल हो रहा है। सरकार की टोल आय भी लगातार बढ़ रही है और अब अगला लक्ष्य पूरी तरह बैरियर-लेस टोल सिस्टम लागू करना है। इससे वाहन चालकों का समय बचेगा, ईंधन की खपत घटेगी और टोल प्लाजा पर लगने वाले जाम में और कमी आएगी। इससे लोग समय से अपनी मंजिल यानी गंतव्य तक पहुंच सकेंगे।

गोरखपुर में खाकी पर दाग! अस्पताल से लौट रही थी बच्ची... सिपाही ने किया किडनैप, हत्या के बाद नदी में फेंका शव

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में 10 साल की बच्ची के अपहरण के बाद बेरहमी से हत्या कर दी गई। इस मामले में पुलिस ने डायल-112 में तैनात आरोपी सिपाही अभिषेक यादव को गिरफ्तार किया है। आरोपी की निशानदेही पर गुरुवार को पुलिस ने बच्ची का शव चिऊटहा पुल के पास नदी से बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने पूछताछ में अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, बच्ची का परिवार मूल रूप से आजमगढ़ के कप्तानगंज क्षेत्र का रहने वाला है और पिछले चार वर्षों से गोरखपुर में किराये के मकान में रह रहा है। बच्ची के पिता ई-रिक्शा चलाकर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। उनकी

13 वर्षीय बड़ी बेटी जिला अस्पताल में भर्ती थी। 28 जुलाई की रात करीब 10 बजे 10 वर्षीय बच्ची अपनी बड़ी बहन के लिए खाना लेकर जिला अस्पताल गई थी। खाना देने के बाद वह घर लौटने के लिए निकली, लेकिन काफी देर तक घर नहीं पहुंची। परिजनों ने पहले अपने स्तर पर उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिलने पर बच्ची के पिता ने थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

मामले की जांच में जुटी पुलिस ने अस्पताल और आसपास के इलाकों के CCTV कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में बच्ची अस्पताल से पैदल बाहर निकलती दिखाई दी। उसके पीछे एक पुलिसकर्मी बाइक से आता है और बच्ची को अपनी मोटरसाइकिल पर बैठाकर ले जाता नजर आता है।

बाइक के नंबर के आधार पर पुलिस ने आरोपी की पहचान डायल-112 में तैनात सिपाही अभिषेक यादव के रूप में की। बुधवार देर रात उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें उसने बच्ची की हत्या कर शव नदी में फेंकने की बात स्वीकार कर ली। उसकी निशानदेही पर गुरुवार को शव बरामद कर लिया गया।

पहले भी रेप के मामले में जा चुका है जेल

पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी अभिषेक यादव मूल रूप से गाजीपुर का रहने वाला है। वह पहले भी रेप के एक मामले में जेल जा चुका है और उस दौरान निलंबित भी हुआ था। फिलहाल पुलिस उसके आपराधिक रिकॉर्ड और अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

एसएसपी बोले- फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलेगा केस

गोरखपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP) ने बताया कि बच्ची के पिता की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। तकनीकी साक्ष्यों और CCTV फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान हुई। पूछताछ में यह सामने आया है कि आरोपी की नीयत गलत थी और बच्ची के विरोध करने पर उसने वारदात को अंजाम दिया। हालांकि घटना के सभी पहलुओं की पुष्टि विवेचना और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद होगी।

एसएसपी ने कहा कि आरोपी के खिलाफ फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाने की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उसकी तत्काल बर्खास्तगी के लिए विभागीय प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस ने यह भी कहा कि आरोपी के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (NSA) सहित उपलब्ध कानूनी प्रावधानों के तहत कड़ी कार्रवाई करने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। वहीं, बच्ची की मौत की खबर से परिवार में मातम पसरा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

एनएच-330ए पर अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू, फुटपाथ से हटाई गईं अवैध दुकानें

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुल्तानपुर। अयोध्या रायबरेली मार्ग स्थित एनएच-330ए पर हलियापुर कस्बे में गुरुवार को राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू कर दिया। लंबे समय से फुटपाथों पर अवैध कब्जों के कारण राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। कई दुकानदारों ने फुटपाथ पर दुकानें, ठेले और टीनशेड लगाकर स्थायी निर्माण तक कर लिए थे, जिससे पैदल चलने वालों का रास्ता पूरी तरह बाधित हो गया था। बताया जाता है कि हलियापुर निवासी इंद्र बहादुर सिंह ने इस मामले की शिकायत एनएचएआई के उच्च अधिकारियों से की थी। शिकायत के बाद विभाग हरकत में आया और एक दिन पूर्व लाउडस्पीकर से अतिक्रमण हटाने की चेतावनी दी गई थी।। गुरुवार सुबह करीब 10 बजे एनएचएआई की टीम स्थानीय प्रशासन एवं पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और फुटपाथों से अवैध कब्जे हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी। अभियान के दौरान कई अस्थायी दुकानें एवं ठेले हटवाए गए।

एनएचएआई के मैनेजर रवि राय ने बताया कि यह कार्रवाई चरणबद्ध तरीके से की जाएगी। पहले चरण में अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया जा रहा है। दूसरे चरण में अवैध कब्जाधारकों को नोटिस जारी किए जाएंगे। तीसरे चरण में पुनः सार्वजनिक घोषणा कर अंतिम अवसर दिया जाएगा। इसके बाद चौथे चरण में तोड़ू दस्ता अवैध टीनशेड, पक्के निर्माण और अन्य अतिक्रमणों को ध्वस्त करेगा।हाईवे अथॉरिटी की इस कार्रवाई से अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मचा हुआ है, जबकि स्थानीय नागरिकों ने फुटपाथ को अतिक्रमण मुक्त कराने की पहल का स्वागत किया है।

सावन का पहला दिन : सीएम योगी ने बाबा विश्वनाथ का किया जलाभिषेक, काल भैरव के किए दर्शन-पूजन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

वाराणसी। सावन माह के पहले दिन बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाबा विश्वनाथ के षोडशोपचार दर्शन-पूजन किए और जलाभिषेक कर प्रदेशवासियों के लिए मंगल कामना की। इसके साथ ही उन्होंने काशी के कोतवाल कहे जाने वाले बाबा कालभैरव के दर्शन-पूजन किए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाबा विश्वनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद बाबा कालभैरव मंदिर में भी विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने सस्वर भैरवाष्टकम् स्तोत्र के बीच मंगल कामना के लिए आरती भी उतारी। मुख्यमंत्री के इस प्रवास का उद्देश्य सावन माह में प्रदेश की सुख-समृद्धि और शांति की कामना करना रहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने काशी प्रवास के दौरान प्रदेशवासियों के कल्याण और समृद्धि की प्रार्थना की। उन्होंने बाबा विश्वनाथ धाम पहुंचकर मंदिर के शिखर को प्रणाम किया और गर्भगृह में विशेष पूजा-अर्चना में भाग लिया। सावन माह के आरंभ होते ही काशी विश्वनाथ मंदिर में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। सावन के पहले दिन मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई। भोर से ही दर्शनार्थियों का तांता लगना शुरू हो गया था। गंगा घाट से लेकर मंदिर तक, श्रद्धालुओं की कतारें देखने को मिलीं। भक्तों ने विधि-विधान से जलाभिषेक किया और देवाधिदेव महादेव से सुख-समृद्धि की कामना की। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर प्रशासन द्वारा कड़े इंतजाम किए गए थे। मंदिर परिसर और आसपास के इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बैरिकेडिंग और अन्य व्यवस्थाएं की गई हैं। ऐसी मान्यता है कि सावन माह में भगवान शिव की पूजा करने से विशेष फल की प्राप्ति होती है। इसी विश्वास के साथ, देश के विभिन्न कोनों से श्रद्धालु बाबा विश्वनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए वाराणसी पहुंच रहे हैं।

बेजुबानों का सहारा बनी मोबाइल वेटेरिनरी यूनिट

कादीपुर /सुल्तानपुर। पशुपालन और डेयरी विभाग, भारत सरकार की 1962 मोबाइल वेटेरिनरी यूनिट जिले के ग्रामीण इलाकों में बेजुबान पशुओं के लिए जीवनदायिनी साबित हो रही है। यूनिट में तैनात डा. रोहित कुमार धुरिया, एमटीएस देवेंद्र पांडेय और पायलट राजेश यादव अस्पताल से दूर गावों तक पहुंचकर पशुओं का इलाज कर रहे है। टीम को रोजाना कई कॉल मिलती है, जिन पर तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए यह यूनिट मौके पर पहुंचती है और बीमार पशुओं का इलाज करती है। ग्रामीणों के लिए यह सेवा बड़ी राहत साबित हो रही है क्योंकि अब उन्हें पशुओं के इलाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। कादीपुर ब्लॉक क्षेत्र के अंतर्गत जलालपुर रोहियावां गांव के पशुपालक सचिन सिंह की गाय पिछले कई दिनों से बीमार चल रही थी पशुपालक ने हेल्पलाइन नंबर 1962 पर फोन कर सूचना दी। मौके पर पहुंचे एम वी यू के डॉक्टर रोहित कुमार धुरिया ने बीमार पशु का इलाज किया।

ITI से इलेक्ट्रिकल्स की पढ़ाई, 10 दिन पहले जेल से बाहर आया... मेरठ में प्रेमिका को गोली मारकर खुद जान देने वाला आदित्य कौन था?

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में डिफेंस एंक्लेव कॉलोनी है। यह कॉलोनी मंगलवार शाम गोलियों की तड़तड़ाहट से दहल उठी। एक हिस्ट्रीशीटर युवक ने अपनी गर्लफ्रेंड कोबीच सड़क पर गोली मार दी और इसके बाद खुद को भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली। युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल छात्रा को पुलिस ने तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया।

पुलिस के मुताबिक, शिवलोकपुरी निवासी 22 वर्षीय आदित्य प्रधान कंकरखेड़ा थाने का हिस्ट्रीशीटर था। उसने वर्ष 2025 में आईटीआई से इलेक्ट्रिकल्स की पढ़ाई की थी, लेकिन उस पर जानलेवा हमला और हथियार तस्करी सहित आधा दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज थे। करीब 10 दिन पहले ही वह एक मामले में

जमानत पर जेल से बाहर आया था। जांच में सामने आया है कि आदित्य पिछले करीब तीन साल से न्यू गोविंदपुरी निवासी 19 साल की अनुष्का को जानता था। जेल से बाहर आने के बाद वह लगातार छात्रा से संपर्क करने की कोशिश कर रहा था, लेकिन छात्रा ने उससे बात करने से इनकार कर दिया था। मंगलवार को आदित्य ने अनुष्का को डिफेंस एंक्लेव स्थित जोनल पार्क के पास मिलने के लिए बुलाया। छात्रा अपनी स्कूटी से जबकि आदित्य बाइक से मौके पर पहुंचा। दोनों के बीच करीब 10 मिनट तक बातचीत और कहासुनी होती रही। इसी दौरान आदित्य ने अचानक अवैध पिस्टल निकाल ली और छात्रा पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। पुलिस के अनुसार, आदित्य ने छात्रा के सिर में एक और पेट में दो गोलियां मारीं। गोली लगते ही अनुष्का सड़क पर गिर गई। इसके बाद आदित्य ने खुद को भी सीने में दो गोलियां मार लीं। मौके पर ही उसकी मौत हो गई, जबकि छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के दौरान सड़क पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत डायल-112 और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने अपनी सरकारी गाड़ी से घायल छात्रा को अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

घटना की सूचना मिलते ही एसएसपी अविनाश पांडे सहित पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से पांच खोखे, दोनों के मोबाइल फोन और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य कब्जे में लिए। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी जब्त कर ली है। शुरुआती जांच में फुटेज में दोनों के बीच बहस होती दिखाई दे रही है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि विवाद की असली वजह क्या थी और युवक ने वारदात को अंजाम देने की योजना कब बनाई। एसएसपी अविनाश पांडे ने बताया कि दोनों पक्षों के परिजनों से पूछताछ की जा रही है। घटना के पीछे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। एहतियात के तौर पर दोनों परिवारों के घरों के आसपास पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस का कहना है कि फोरेंसिक रिपोर्ट, सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। फिलहाल घायल छात्रा का उपचार जारी है और उसकी स्थिति पर डॉक्टर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

डायरिया से डरने नहीं बल्कि सतर्क रहने की जरूरत : सीएमओ

आर्यावर्त संवाददाता

फ़िरोज़ाबाद। डायरिया से डरने नहीं बल्कि सतर्क रहने की जरूरत है, क्योंकि इसका उपचार पूरी तरह संभव है। बच्चे को दिन में दो-तीन बार पतली दस्त हो तो ओआरएस का घोल और निर्धारित मात्रा में जिंक जरूर दें, क्योंकि यही इसका सही उपचार है। यह बातें मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम बदन राम ने विश्व ओआरएस (ओरल रिहाड्रेशन साल्यूशन) दिवस के उपलक्ष्य में बृहस्पतिवार को स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय स्थित सभागार में डायरिया को लेकर आयोजित कार्यशाला में कहीं। इस मौके पर यह भी संदेश दिया गया कि 'ओआरएस-जिंक है साथ तो डायरिया से डरने की नहीं कोई बात।' पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू के सहयोग से "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम के तहत आयोजित कार्यशाला में अपर

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. फारूक अहमद ने सभी चिकित्सा इकाइयों पर ओआरएस कार्नर बनाने की बात कही एवं ओआरएस कार्नर की उपयोगिता पर चर्चा की। इसके साथ ही वर्ल्ड ओआरएस दिवस मनाने के महत्व के बारे में बताया और कहा कि ओआरएस वितरण की रिपोर्ट भी समय से भेजी जाए I शहरी स्वास्थ्य समन्वयक प्रवल प्रताप सिंह ने डायरिया रोको अभियान के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि डायरिया से बचाव के लिए आवश्यक है कि आशा एवं एएनएम घर-घर जाकर ओआरएस का वितरण सुनिश्चित करें एवं समुदाय में इसके प्रति जागरूकता लायें।

कार्यक्रम में डीसीपीएम रवि कुमार, सहयोगी संस्था के प्रतिनिधि तथा पीएसआई इंडिया से राजेश कुमार प्रजापति, कैफुल हसन आदि उपस्थित रहे।

प्रेमी को फुफेरा भाई बता रखा पति के साथ, राज खुलने पर पत्नी ने गुड्डू संग कर दिया कत्ल

आर्यावर्त संवाददाता

मऊ। उत्तर प्रदेश के मऊ जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। कोपागंज थाना इलाके के कसारा गांव के पास मिले कुंजबिहारी राजभर की हत्या का खुलासा बुधवार को पुलिस ने किया। पुलिस के अनुसार, कुंजबिहारी की हत्या पत्नी नेहा ने अपने प्रेमी गुड्डू राजभर के साथ मिलकर की थी।

उसने दो महीने पहले तक प्रेमी को फुफेरा भाई बताकर पति के साथ रखा था। पुलिस अधीक्षक कमलेश बहादुर ने बताया कि मुहम्मद अली इंटर कॉलेज इंदारा के पास से मंगलवार को गुड्डू कुमार और नेहा को गिरफ्तार किया गया। 25 जुलाई को को शव मिलने के बाद पहचान नहीं हो सकी थी। पिता हरिशचंद्र की तहरीर पर पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर जांच में जुटी थी। मंगलवार को पहचान होने के बाद घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी फुटेज में नेहा को एक युवक के साथ देखकर पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की तो मामले का खुलासा हुआ।

कुतुबपुर थाना मुहम्मदाबाद गोहना के रहने वाले कुंजबिहारी राजभर की शादी मधुबन थाना क्षेत्र के महुई गांव निवासी नेहा राजभर से हुई थी। जांच में पता चला कि नेहा का विवाह से पहले से ही गांव के गुड्डू भारती से प्रेम प्रसंग चल रहा था।

शादी के बाद भी दोनों के बीच संपर्क बना रहा। नेहा ने अपने प्रेमी के साथ रहने के लिए योजना बनाई। मुंबई में जहां गुड्डू राजभर काम करता था, वहां उसने अपने पति को गुड्डू को अपनी बुआ का लड़का बताकर भेजा। वहां कुंजबिहारी और गुड्डू दोनों साथ रहे। इस दौरान विश्वास जीतने के बाद गुड्डू की बात पर कुंजबिहारी ने नेहा को मुंबई बुलाया लेकिन दोनों के प्रेम प्रसंग की जानकारी कुंजबिहारी को होने के बाद उनके बीच कई बार विवाद हुआ था। इस बीच घटना से लगभग दो महीने पहले सभी मऊ लौट आए। 25 जुलाई को नेहा ने कुंजबिहारी को मुंबई जाने के बहाने मऊ स्टेशन बुलाया। वहां से वह उसे कसारा ले गई, जहां पहले से गुड्डू मौजूद था।

मारपीट में हुई कुंजबिहारी की मौत

इसी दौरान किसी बात को लेकर तीनों के बीच विवाद और मारपीट हुई, जिसमें कुंजबिहारी की मौत हो गई। घटना के बाद नेहा और गुड्डू मौके से फरार हो गए। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर में चोट के निशान मिले थे। एसपी ने बताया कि पुलिस ने कसारा चौराहे पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसमें कुंजबिहारी दोनों आरोपियों के साथ दिखाई दिया। इसके बाद पूछताछ और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पूरे घटनाक्रम का खुलासा हुआ।

मंगलवार को मुखबिर की सूचना पर गुड्डू कुमार उर्फ गुड्डू भारती (28) निवासी महुई थाना मधुबन और नेहा राजभर (21) पत्नी कुंजबिहारी को गिरफ्तार कर लिया गया। फरवरी 2024 में दोहरीघाट थाना इलाके के उसरी गांव निवासी लवकुश चौहान की शादी पायल चौहान से हुई थी। घर में सभी खुश थे और चारों तरफ मांगलिक वातावरण था। शादी के चार दिन बाद लवकुश चौहान का शव दूल्हे के कपड़े में नदी किनारे संदिग्ध परिस्थितियों में मिला।

मामले में पत्नी की भूमिका सामने आई। पूछताछ में पायल ने बताया कि वह लवकुश से नहीं, बल्कि दिनेश यादव से प्यार करती थी। दिनेश से ही शादी करना चाहती थी, लेकिन उसके परिजनों ने सामाजिक बंधनों के कारण उसकी शादी उसकी मर्जी के खिलाफ लवकुश से करा दी थी।

सेवार्थम फाउंडेशन की पहल लाई रंग, दो टोल प्लाजा व कम ऊँचाई वाले पुलों की समस्याओं के समाधान की जगी उम्मीद

लम्भुआ, सुलतानपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग-731 पर 60 किलोमीटर से कम दूरी में संचालित दो टोल प्लाजा तथा बड़े पुलों एवं अंडरपास की कम ऊँचाई से उत्पन्न जनसमस्याओं को लेकर सेवार्थम फाउंडेशन की पहल पर केंद्र सरकार ने त्वरित संज्ञान लिया है। फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. आशीष तिवारी द्वारा केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री Nitin Gadkari को भेजे गए ज्ञापन के बाद मंत्रालय ने मामले को संबंधित अधिकारियों के पास परीक्षण एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए भेज दिया है। 28 जुलाई 2026 को केंद्रीय मंत्री की ओर से जारी पत्र में उल्लेख किया गया है कि सेवार्थम फाउंडेशन के पत्रांक SF/2026/ORG/112 (दिनांक 27 जुलाई 2026) के माध्यम से उठाए गए जनहित के सभी बिंदु प्राप्त हो चुके हैं। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि विषय की जांच एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर दिया गया है।

अयोध्या में गोली चली तो मुलायम सिंह ने चलाई और दिल्ली में चली तो प्रशासन... ये दोहरा मापदंड क्यों : रामगोपाल यादव

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

अयोध्या। पेपर लीक के खिलाफ लोकसभा में लाए गए बिल पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष ने यह आरोप लगाया था कि गृह मंत्री के कहने पर ही प्रदर्शनकारियों पर बर्बर कार्रवाई की गई और गोली चलाई गई थी, इस पर सरकार ने कहा कि गोली चलाने के आदेश अफसर देते हैं, सरकार नहीं। बीजेपी सरकार की इस सफाई पर समाजवादी पार्टी (SP) हमलावर हो गई है और उसका कहना है कि अयोध्या में जब गोली चली तो मुलायम ने चलाई और दिल्ली में प्रशासन ने चलवाई। ऐसा दोहरा मापदंड क्यों अपनाया जा रहा है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बयान के बाद मंचे हंगामे पर SP सांसद राम गोपाल यादव ने कहा, "मैं लोगों से यह पूछना चाहता हूं, जब अयोध्या में

गोली चली थी, तो मुलायम सिंह को इसके आदेश के लिए जिम्मेदार ठहराया गया था, लेकिन जब यहां (दिल्ली में प्रदर्शनकारियों) गोली चली, तो इसका जिम्मेदार प्रशासन को माना गया। जरा दोहरे मापदंड तो देखिए।"

वीरेंद्र सिंह ने भी लगाए आरोप

राम गोपाल से पहले पार्टी के ही एक अन्य सांसद वीरेंद्र सिंह ने भी आरोप लगाते हुए कहा, "सदन के अंदर सरकार ने जो जवाब दिया, उसका मतलब यही है कि छात्रों पर गोलियां चलाना और गोलियां जो चलीं, पहले तो गोलियां नहीं चलीं। लेकिन अगर गोलियां चलीं, तो यह आदेश गृह मंत्री की ओर से नहीं दिया गया। इस मामले में सरकार ने विपक्ष के जानकारी नहीं होने की बात कही। तो फिर सवाल उठता है कि इनकी यह जानकारी तब कहां चली जाती है, जब वे अयोध्या मामले में मुलायम सिंह के ऊपर आरोप लगाते हैं कि उनके आदेश से गोलियां चली थीं। इन लोगों का दोतरफा तरीका है और इनके दोहरे चरित्र को भी उजागर करता है।"

जितेंद्र सिंह ने क्या कहा था

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कल एंटी पेपर लीक बिल पर चर्चा का जवाब देते हुए राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि गृह मंत्री ने गोली चलाने का आदेश दिया लेकिन वह इसे प्रमाणित करने में नाकाम रहे। उन्होंने कहा, "जब गोली ही नहीं चली तो आदेश देने का सवाल ही नहीं उठता। गोली चलाने का आदेश किसी भी मंत्री की ओर से नहीं दिया जाता। ये आदेश मजिस्ट्रेट जारी करता है या फिर कोई अफसर देता है। राहुल गांधी का बयान गैर जिम्मेदाराना है। प्रदर्शनकारियों पर सिर्फ आंसू गैस का इस्तेमाल किया गया।"

राहुल गांधी के बयान पर हंगामा

इससे पहले राहुल गांधी ने 20 जुलाई को दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर कथित तौर पर किए गए बर्बरतापूर्ण व्यवहार को लेकर लोकसभा में गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला बोला, जिस पर सदन में हंगामा हो गया। एंटी पेपर लीक बिल पर जारी चर्चा में हिस्सा लेते हुए कांग्रेस नेता ने आरोप लगाते हुए 20 जुलाई की हिंसा के लिए गृह मंत्रालय को जिम्मेदार ठहराया था। इसके बादउन्होंने पीसी के दौरान यह भी कहा कि अमित शाह को बर्खास्त कर पूरे मामले की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में उच्च अधिकार प्राप्त समिति से जांच कराई जाए।

लोकसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 पर बोलते हुए राहुल ने कहा, "इस देश के तथाकथित गृह मंत्री में यहां आकर बैठने की हिम्मत नहीं है। आज गृह मंत्री सदन में क्यों मौजूद नहीं हैं? वह इसलिए नहीं आए क्योंकि डरे हुए हैं।" उन्होंने छात्रों पर बल प्रयोग का उल्लेख करते हुए गृह मंत्री पर गंभीर आरोप भी लगाए। हालांकि उनके इस बयान पर सत्तापक्ष के सांसदों ने राहुल गांधी माफी मांगो के नारे लगाए।

लोकसभा में केंद्रीय मंत्री के गोली चलाने वाले आदेश के बयान पर कांग्रेस का बड़ा हमला

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। लोकसभा में केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह द्वारा दिए गए बयान कि 'गोली चलाने का आदेश मंत्री नहीं, मजिस्ट्रेट देता है' को लेकर कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है, उन्होंने कहा कि यह बयान उन राजनीतिक दावों पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है जिन्हें भाजपा और उसके नेता वर्षों से जनता के बीच दोहराते रहे हैं। अभिषेक सिंह राणा ने कहा कि पिछले लगभग 35 वर्षों से भाजपा लगातार अयोध्या कारसेवक गोलीकांड के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराती रही। चुनावी मंचों से लेकर संसद और जनसभाओं तक इस मुद्दे का राजनीतिक लाभ उठाया गया। लेकिन अब लोकसभा में भाजपा सरकार के केंद्रीय मंत्री स्वयं कह रहे हैं कि गोली चलाने का अंतिम आदेश मंत्री नहीं, बल्कि मजिस्ट्रेट देता है। ऐसे में भाजपा को देश की जनता के सामने स्पष्ट करना चाहिए कि उसका वास्तविक पक्ष क्या है। उन्होंने कहा कि यदि केंद्रीय मंत्री का बयान सही है, तो वर्षों से जनता के बीच फैलाया गया राजनीतिक नैरेटिव किस आधार पर बनाया गया था, और यदि पहले लगाए गए आरोप सही थे, तो अब केंद्रीय मंत्री का बयान किस आधार पर दिया गया है। भाजपा को इस विरोधाभास पर देश के सामने जवाब देना चाहिए।कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा कि यह केवल एक राजनीतिक बयान नहीं, बल्कि इतिहास और लोकतंत्र से जुड़ा गंभीर विषय है। ऐसे संवेदनशील मामलों में तथ्यों से इतर राजनीति करना उचित नहीं है।

उत्तर प्रदेश में रियल एस्टेट सेक्टर का स्वर्णिम दौर: छह माह में 143 नई परियोजनाएं

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश का रियल एस्टेट क्षेत्र वर्ष 2026 की पहली छमाही में अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ा है। उत्तर प्रदेश भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) की अर्धवार्षिक रिपोर्ट के अनुसार जनवरी से जून 2026 के बीच प्रदेश में **143 नई रियल एस्टेट परियोजनाएं** पंजीकृत हुईं, जिनमें **46,049 आवासीय इकाइयों** के निर्माण का प्रस्ताव है। इन परियोजनाओं में **31,952 करोड़ रुपये** के निवेश का अनुमान लगाया गया है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि निवेश, परियोजनाओं के पंजीकरण, आवास निर्माण, उपभोक्ता संरक्षण और विवादों के निस्तारण के मामले में उत्तर प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है, जिससे प्रदेश देश के सबसे तेजी से विकसित और निवेशकों के भरोसेमंद रियल एस्टेट बाजारों में शामिल हो गया है।रेरा की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 की पहली छमाही में जहां 134 परियोजनाएं पंजीकृत हुई थीं, वहीं इस वर्ष यह संख्या बढ़कर 143 हो गई। इसी प्रकार आवासीय इकाइयों की संख्या 35,082 से बढ़कर 46,049 तक पहुंच गई। विशेषज्ञों का मानना है कि प्रदेश सरकार की निवेश अनुकूल नीतियां, बेहतर नियामक व्यवस्था, एक्सप्रेसवे, मेट्रो, एयरपोर्ट और अन्य आधारभूत ढांचे के तेजी से विस्तार ने डेवलपर्स और निवेशकों का विश्वास मजबूत किया है।रिपोर्ट में सबसे अहम उपलब्धि राजधानी लखनऊ की रही, जिसने एनसीआर के बाहर उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े रियल एस्टेट केंद्र के रूप में अपनी पहचान बनाई। छह माह में यहां 37 नई परियोजनाएं पंजीकृत हुईं, जिनमें 3,834 करोड़ रुपये का निवेश और 9,872 आवासीय इकाइयों का निर्माण प्रस्तावित है। दूसरी ओर गौतमबुद्ध नगर निवेश के मामले में अब भी शीर्ष पर बना हुआ है, जहां 27 परियोजनाओं में 15,678 करोड़ रुपये का निवेश और 13,160 आवासीय इकाइयों का विकास प्रस्तावित है। गाजियाबाद में भी 19 परियोजनाओं के माध्यम से करीब 6,989 करोड़ रुपये के निवेश के साथ 9,500 आवासीय इकाइयों का निर्माण प्रस्तावित है। इसके अलावा आगरा, मथुरा, वाराणसी, बाराबंकी, प्रयागराज, झांसी और गोरखपुर जैसे शहरों में भी रियल एस्टेट गतिविधियों में तेजी देखने को मिली है।अर्धवार्षिक रिपोर्ट यह भी दर्शाती है कि पिछले तीन वर्षों में उत्तर प्रदेश का रियल एस्टेट क्षेत्र लगातार विस्तार कर रहा है। वर्ष 2023 में 197 परियोजनाएं पंजीकृत हुई थीं, जो वर्ष 2024 में बढ़कर 259 और वर्ष 2025 में 308 हो गईं। आवासीय इकाइयों की संख्या भी 55,297 से बढ़कर 84,976 तक पहुंच गई। वर्ष 2026 की पहली छमाही में प्रस्तावित 46,049 नई आवासीय इकाइयों को जोड़ने पर वर्ष 2023 से अब तक प्रदेश में **2.55 लाख से अधिक आवासीय इकाइयों** के विकास का प्रस्ताव सामने आ चुका है। इसी अवधि में पूंजी निवेश भी 28,411 करोड़ रुपये से बढ़कर 68,328 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो प्रदेश में बढ़ते निवेश विश्वास का संकेत है।रिपोर्ट में घर खरीददारों को राहत देने के लिए रेरा की सक्रिय भूमिका भी सामने आई है। जनवरी से जून 2026 के दौरान **8,212 मामलों में कुल 2,173.78 करोड़ रुपये** घर खरीददारों को वापस दिलाए गए। जिला प्रशासन के सहयोग से **6,411 मामलों** में **1,623.28 करोड़ रुपये** सीधे आवंटियों के बैंक खातों में भेजे गए, जबकि रिकवरी सर्टिफिकेट जारी होने के बाद बिल्डरों से समझौते के माध्यम से **1,801 मामलों** में **550.50 करोड़ रुपये** वापस कराए गए। इससे लंबे समय से रुकी परियोजनाओं में फंसे हजारों परिवारों को बड़ी राहत मिली।संपत्ति विवादों के समाधान में भी उत्तर प्रदेश रेरा ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। रिपोर्ट अवधि में **11,558 मामलों** में **6,032.42 करोड़ रुपये** मूल्य के विवादों का निस्तारण किया गया। इनमें रेरा पीठों के माध्यम से 3,237 मामलों में 1,958 करोड़ रुपये, सुलह मंच के जरिए 1,648 मामलों में 657 करोड़ रुपये तथा ऑनलाइन आपसी सहमति से 6,673 मामलों में 3,417.42 करोड़ रुपये मूल्य के विवादों का समाधान किया गया।

श्रावण मास और कांवड़ यात्रा को लेकर लखनऊ में हाई अलर्ट

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। श्रावण मास की शुरुआत और कांवड़ यात्रा को लेकर लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट ने शहरभर में व्यापक सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन लागू कर दिया है। प्रमुख शिवालयों, कांवड़ यात्रा मार्गों, संवेदनशील क्षेत्रों और मिश्रित आबादी वाले इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सीसीटीवी निगरानी, महिला पुलिसकर्मियों की विशेष तैनाती, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग और ट्रैफिक डायवर्जन जैसी व्यवस्थाएं प्रभावी कर दी गई हैं।पुलिस के अनुसार श्रावण मास के दौरान नागेश्वर महादेव मंदिर, मनकामेश्वर मंदिर, महाकालेश्वर मंदिर, ओंकारेश्वर मंदिर, बुद्धेश्वर महादेव मंदिर, चंद्रिका देवी मंदिर सहित अन्य प्रमुख शिवालयों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए विशेष सुरक्षा योजना लागू की गई है। सभी प्रमुख मंदिर परिसरों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है।कांवड़ यात्रा मार्गों पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए डायल-112, मोबाइल पुलिस टीमें, एंटी रोमियो स्क्वॉड, पिंक मोबाइल और सादे कपड़ों में महिला पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में पुलिस बल लगातार भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करेगा। इसके अलावा स्थानीय अभिसूचना इकाई (एलआईयू), सिविल डिफेंस और डिजिटल वालंटियर भी असामाजिक तत्वों पर नजर रखेंगे।जलाशयों और घाटों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एसडीआरएफ की टीमें भी सक्रिय रहेंगी। पुलिस नियंत्रण कक्ष से प्रमुख धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों की लगातार निगरानी की जाएगी।

आशियाना पुलिस की बड़ी सफलता : वाहन चोरी का खुलासा, बाराबंकी के दो शातिर गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी की आशियाना पुलिस ने वाहन चोरी के मामले का सफल खुलासा करते हुए बाराबंकी के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी की गई मोटरसाइकिल बरामद की है। मुखबिर की सटीक सूचना और पुलिस की सक्रिय कार्रवाई के चलते वारदात का पर्दाफाश हुआ। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है, जबकि उनके आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है।पुलिस के अनुसार 17 मई 2026 को आशियाना थाना क्षेत्र स्थित रिक्शा कॉलोनी, जय हिंद स्कूल के निकट निवासी जान मोहम्मद ने अपनी हीरो एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल (यूपी-32-आरएल-2071) चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर आशियाना थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2) के तहत अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक प्रमीन्दर सिंह कर रहे थे।जांच के दौरान पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर 29 जुलाई की रात करीब 10:30 बजे देवीखेड़ा रोड मोड़ पर घेराबंदी कर दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उनकी पहचान बाराबंकी जनपद के बड़ूपुर थाना क्षेत्र के घघरा कटिया गांव निवासी फयूम (19 वर्ष) और सलमान (20 वर्ष) के रूप में हुई।

तलाशी के दौरान पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल बरामद कर ली। बरामदगी के बाद मुकदमे में भारतीय न्याय संहिता की धारा 317(2) भी बढ़ाई गई। पुलिस का कहना है कि आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी अन्य जिलों और थानों से भी जुटाई जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि वे किसी अन्य वाहन चोरी गिरोह से जुड़े हैं या नहीं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि राजधानी में वाहन चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। संदिग्ध व्यक्तियों की निगरानी, तकनीकी जांच और मुखबिर तंत्र को मजबूत कर ऐसे मामलों का शीघ्र खुलासा किया जा रहा है।इस सफलता में आशियाना थाना प्रभारी गजेन्द्र कुमार राय के नेतृत्व में वरिष्ठ उपनिरीक्षक धर्मवीर शाही, उपनिरीक्षक प्रमीन्दर सिंह, उपनिरीक्षक विजय प्रताप, कांस्टेबल लक्ष्मण अग्रवाल, ज्ञान सिंह तथा अमित कुमार की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने बरामद मोटरसाइकिल को कब्जे में लेकर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

ऐशबाग रामलीला मैदान में 18वें सपादलक्ष रुद्राभिषेक का शुभारंभ, 5,500 रुद्रों के साथ सामूहिक पूजन में उमड़े श्रद्धालु

लखनऊ। श्रावण मास के प्रथम दिन शिव सेवा परिवार के तत्वावधान में ऐशबाग स्थित रामलीला ग्राउंड में 18वें सपादलक्ष रुद्राभिषेक का शुभारंभ वैदिक विधि-विधान और ₹हर-हर महादेव₹ के जयघोष के बीच हुआ। प्रातः 10 बजे शुरू हुए इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का सामूहिक रुद्राभिषेक कर लोककल्याण एवं सुख-समृद्धि की कामना की।कार्यक्रम में प्रमुख आचार्य गिरजाशंकर दीक्षित, शिवशंकर पाण्डेय और डॉ. योगेश व्यास सहित पांच आचार्यों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान शिव एवं शिव परिवार का षोडशोपचार पूजन संपन्न कराया। पूजन के दौरान आवाहन, पाद्य, अर्घ्य, आचमन, स्नान, सुगंधित जलाभिषेक, वस्त्र, यज्ञोपवीत, चंदन, अक्षत, बेलपत्र, पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य, फल, दक्षिणा, आरती और पुष्पांजलि सहित सभी वैदिक अनुष्ठान पूरे विधि-विधान से संपन्न हुए।

जनसुनवाई में ऊर्जा मंत्री सख्त, भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस का संदेश ; शिकायतों के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने बुधवार को अपने आवास पर आयोजित जनसुनवाई में विभिन्न जिलों से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रदेश सरकार आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा लापरवाही, भ्रष्टाचार और उपभोक्ताओं के उत्पीड़न को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।जनसुनवाई के दौरान नगर विकास एवं ऊर्जा विभाग से जुड़े अनेक मामले सामने आए। इनमें नालों की सफाई, पेयजल आपूर्ति, अतिक्रमण हटाने, आवास संबंधी समस्याएं, नए बिजली कनेक्शन, विद्युत बिलों में संशोधन तथा ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाने जैसी शिकायतें प्रमुख रहीं। मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी मामलों का नियमानुसार प्राथमिकता के आधार पर निर्धारित समयसीमा के भीतर समाधान किया जाए, ताकि आम जनता को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।जनसुनवाई के दौरान उन्नाव जिले से आए सुधीर कुमार द्विवेदी ने शिकायत की कि उरुवा क्षेत्र के एक अधिशासी द्वारा विद्युत बिल संशोधन के नाम पर अवैध धनराशि की मांग की गई। मामले को गंभीरता से लेते हुए ऊर्जा मंत्री ने तत्काल डायरेक्टर जीडी द्विवेदी को जांच कराने के निर्देश दिए और कहा कि यदि शिकायत सही पाई जाती है तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए।ए.के. शर्मा ने अधिकारियों को स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि भ्रष्टाचार और उपभोक्ताओं के उत्पीड़न के मामलों में किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को संरक्षण नहीं मिलेगा। सरकार की प्राथमिकता आम जनता को पारदर्शी, जवाबदेह और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराना है।उन्होंने कहा कि जनसुनवाई केवल शिकायतें सुनने की औपचारिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि शासन और जनता के बीच विश्वास का मजबूत माध्यम है। प्रत्येक नागरिक की समस्या का समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और जनहित से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिकायतों के निस्तारण में संवेदनशीलता, पारदर्शिताऔर जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।

जोन-3 में नगर निगम का सख्त अभियान, 23 चालानों से ₹53,300 जुर्माना वसूला

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। नगर निगम ने शहर को स्वच्छ और पॉलीथीन मुक्त बनाने के अभियान को तेज करते हुए जोन-3 क्षेत्र में गंदगी फैलाने वालों और प्रतिबंधित सिंगल यूज पॉलीथीन का उपयोग करने वालों के खिलाफ विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान 23 चालान किए गए और कुल 53,300 रुपये का जुर्माना वसूलकर नगर निगम कोष में जमा कराया गया।

नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर जोनल अधिकारी अजीत राय के नेतृत्व में यह अभियान भिटौली तिराहे से सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया होते हुए आईआईएम चौराहा तक चलाया गया। अभियान के दौरान नगर निगम की टीम ने लोगों को स्वच्छता बनाए रखने और प्रतिबंधित पॉलीथीन का उपयोग न करने के प्रति भी जागरूक किया।सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए नगर निगम ने 13 चालान किए और 15 हजार रुपये का जुर्माना वसूला। अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि कूड़ा केवल निर्धारित स्थानों पर ही डालें तथा सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने में सहयोग करें।वहीं प्रतिबंधित सिंगल यूज पॉलीथीन के उपयोग और भंडारण के खिलाफ भी सघन जांच अभियान चलाया गया। नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों पर 10 चालान करते हुए 38,300 रुपये का जुर्माना लगाया गया। व्यापारियों को चेतावनी दी गई कि भविष्य में प्रतिबंधित पॉलीथीन का उपयोग करने पर और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही पर्यावरण अनुकूल विकल्प अपनाने की सलाह भी दी गई।नगर निगम के अनुसार अभियान के दौरान कुल 23 चालानों से 53,300 रुपये की वसूली की गई। अभियान में सफाई एवं खाद्य निरीक्षक अधूलिका, प्रमोद कुमार गौतम, सुमित मिश्रा, पुष्कर सिंह पटेल, 296 टीम, परिवर्तन दल (ईटीएफ), नगर निगम कर्मियों तथा क्षेत्रीय सुपरवाइजर की संयुक्त टीम ने भाग लिया।नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि शहर में स्वच्छता बनाए रखने और प्रतिबंधित पॉलीथीन के उपयोग पर रोक लगाने के लिए ऐसे प्रवर्तन अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

13 अगस्त को प्रदेशभर में सत्याग्रह करेंगे विद्युत संविदा कर्मचारी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। विद्युत संविदा कर्मचारी महासंघ, उत्तर प्रदेश ने संविदा कर्मचारियों की विभिन्न लंबित समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर 13 अगस्त 2026 (गुरुवार) को प्रदेश के सभी जनपदों में एक दिवसीय सत्याग्रह आयोजित करने की घोषणा की है। महासंघ ने इस संबंध में प्रबंधन को विधिवत नोटिस सौंप दिया है, जिसकी प्राप्ति संबंधित कार्यालयों द्वारा भी कर ली गई है।महासंघ का कहना है कि लंबे समय से संविदा कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है, जिसके चलते प्रदेशव्यापी सत्याग्रह का निर्णय लिया गया है। संगठन ने सभी जिला इकाइयों, पदाधिकारियों और सदस्यों से आंदोलन की तैयारियां शुरू करने तथा अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर इसे सफल बनाने का आह्वान किया है।महासंघ की प्रमुख मांगों में पिछले दो वर्षों में लगभग 25 हजार संविदा कर्मचारियों की छंटनी पर रोक लगाकर उनकी पुनर्बहाली, सरकार द्वारा गठित आउटसोर्स निगम में ऊर्जा विभाग के सभी आउटसोर्स कर्मचारियों को शामिल करना, निर्धारित समय से अधिक कार्य कराने पर ओवरटाइम अथवा अतिरिक्त भुगतान की व्यवस्था लागू करना तथा फेसियल अटेंडेंस की अनिवार्यता समाप्त कर पूर्व व्यवस्था बहाल करना शामिल है।इसके अलावा संगठन ने संविदा कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु 55 वर्ष से बढ़ाकर 60 वर्ष करने, दुर्घटना में घायल कर्मचारियों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने, सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने, लाइन ब्रेकडाउन और अन्य जोखिमपूर्ण कार्य करने वाले कर्मचारियों को पेट्रोल भत्ता, बीमा और अन्य आवश्यक सुविधाएं देने की मांग भी उठाई है।

संक्षेप

बसपा को झटका, राष्ट्रीय सवर्ण आर्मी के अध्यक्ष पंडित नीरज शर्मा कांग्रेस में शामिल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में बहुजन समाज पार्टी को उस समय झटका लगा, जब राष्ट्रीय सवर्ण आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पंडित नीरज शर्मा ने कांग्रेस का दामन थाम लिया। उन्होंने कांग्रेस की नीतियों और शीर्ष नेतृत्व के प्रति विश्वास जताते हुए पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय की मौजूदगी में पंडित नीरज शर्मा ने औपचारिक रूप से कांग्रेस की सदस्यता ली। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस की विचारधारा और नेतृत्व के साथ मिलकर संगठन को मजबूत करने का संकल्प व्यक्त किया।पंडित नीरज शर्मा मूल रूप से मथुरा जनपद से हैं और इससे पहले बहुजन समाज पार्टी से जुड़े रहे हैं। सामाजिक और सवर्ण समाज के विभिन्न संगठनों में सक्रिय भूमिका निभाने वाले नीरज शर्मा का कांग्रेस में शामिल होना राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने पंडित नीरज शर्मा का पार्टी में स्वागत करते हुए कहा कि उनके कांग्रेस में आने से संगठन को मजबूती मिलेगी और प्रदेश में पार्टी का जनाधार और व्यापक होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नीरज शर्मा अपने सामाजिक अनुभव और संगठनात्मक क्षमता के बल पर कांग्रेस को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

हज-2027 के लिए उत्तर प्रदेश के 22,510 आवेदकों का चयन, 10 अगस्त तक जमा करनी होगी पहली किस्त

लखनऊ। हज-2027 के लिए उत्तर प्रदेश से आवेदन करने वाले श्रद्धालुओं के चयन की प्रक्रिया पूरी हो गई है। हज कमेटी ऑफ इंडिया, मुंबई ने गुरुवार को ऑनलाइन कुर्रा (ड्रॉ) के माध्यम से प्रदेश के 22,510 आवेदकों का चयन किया। चयनित हज यात्रियों को इसकी सूचना उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर भेज दी गई है। साथ ही चयनित यात्रियों की सूची हज कमेटी ऑफ इंडिया और उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति की वेबसाइट पर भी उपलब्ध करा दी गई है।चयनित यात्रियों की सूची में प्रत्येक आवेदक का कवर नंबर और बैंक रेफरेंस नंबर भी अंकित किया गया है, ताकि उन्हें पहली किस्त जमा करने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो। हज कमेटी के अनुसार सभी प्रोविजनल चयनित यात्रियों को 10 अगस्त 2026 तक प्रति यात्री 1,52,300 रुपये की पहली किस्त हज कमेटी ऑफ इंडिया के यूनियन बैंक ऑफ इंडिया अथवा भारतीय स्टेट बैंक के निर्धारित खाते में जमा करनी होगी।पहली किस्त जमा करने के लिए आवश्यक पे-इन स्लिप हज कमेटी ऑफ इंडिया तथा उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति की वेबसाइट से डाउनलोड की जा सकती है। इसके अलावा चयनित यात्री ऑनलाइन पोर्टल, हज सुविधा ऐप, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और नेट बैंकिंग के माध्यम से भी भुगतान कर सकते हैं।

तमंचे के बल पर फायरिंग कर जान से मारने की धमकी देने वाला युवक गिरफ्तार

लखनऊ। राजधानी के पीजीआई क्षेत्र में अवैध तमंचे के बल पर फायरिंग कर जान से मारने की धमकी देने वाले एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक देशी तमंचा और जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और आर्म्स एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है।पुलिस आयुक्त तरुण गाबा के निर्देश पर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय अपर्णा कुमार, पुलिस उपायुक्त दक्षिणी मो. मुश्ताक, अपर पुलिस उपायुक्त दक्षिणी रल्लापल्ली वंसथ कुमार तथा सहायक पुलिस आयुक्त गोसाईगंज ऋषभ यादव के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक पीजीआई सुनील कुमार सिंह के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।पुलिस के अनुसार 30 जुलाई को उतरेठिया निवासी कृष्णा मिश्रा की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी अभिषेक श्रीवास्तव को हिरासत में लिया। शिकायत में आरोप लगाया गया कि अभिषेक ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और हत्या की नीयत से फायर किया, हालांकि गोली मिस हो गई। इस संबंध में पीजीआई थाने में मुकदमा संख्या 397/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 109(1), 352, 351(3) तथा आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 में मामला दर्ज किया गया।

12 सितंबर की राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए लखनऊ में जनजागरूकता अभियान तेज

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियां लखनऊ में तेज हो गई हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने अधिक से अधिक लोगों को लोक अदालत का लाभ दिलाने के उद्देश्य से व्यापक जनजागरूकता अभियान शुरू किया है।जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रभारी सचिव जीवक कुमार सिंह ने बताया कि जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष मलखान सिंह के मार्गदर्शन तथा नोडल अधिकारी प्रकाश तिवारी के निर्देशन में दीवानी न्यायालय परिसर, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, पारिवारिक न्यायालय, कामर्शियल कोर्ट, भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन प्राधिकरण, जनपद की सभी तहसीलों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक वादकारियों को राष्ट्रीय लोक अदालत से जोड़ना और उन्हें त्वरित न्याय उपलब्ध कराना है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में दीवानी वाद, वैवाहिक विवाद, मोटर दुर्घटना दावा, बैंक ऋण वसूली, श्रम विवाद, विद्युत से जुड़े मामले, राजस्व प्रकरण, पारिवारिक विवाद, चेक बाउंस के मामले, प्री-लिटिगेशन, मध्यस्थता (आर्बिट्रेशन) तथा अन्य सुलह योग्य मामलों का आपसी सहमति के आधार पर निस्तारण किया जाएगा।जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अनुसार लोक अदालत में पारित निर्णय अंतिम एवं बाध्यकारी होता है, जिससे पक्षकारों को लंबी न्यायिक प्रक्रिया, समय और अतिरिक्त खर्च से राहत मिलती है।

गांवों में शिक्षा की नई क्रांति : 11,350 ग्राम पंचायतों में बनेंगी हाईटेक डिजिटल लाइब्रेरियां

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आधुनिक संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम उठा रही है। पंचायती राज विभाग द्वारा प्रदेश की 11,350 ग्राम पंचायतों में चरणबद्ध तरीके से हाईटेक डिजिटल लाइब्रेरियों की स्थापना की जा रही है। इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य गांवों के विद्यार्थियों और युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं, कौशल विकास और डिजिटल शिक्षा के लिए आधुनिक अध्ययन सुविधाएं उनके अपने गांव में उपलब्ध कराना है, ताकि संसाधनों के अभाव में किसी भी प्रतिभा को पीछे न रहना पड़े।योजना के पहले चरण में 37 जिलों में पुस्तकों और आधुनिक फर्नीचर की आपूर्ति का कार्य पूरी तरह पूरा हो चुका है। अब तक 10,976 ग्राम पंचायतों में पुस्तकों तथा 9,909 ग्राम पंचायतों में आधुनिक फर्नीचर की स्थापना की जा चुकी है। प्रत्येक डिजिटल लाइब्रेरी पर लगभग चार लाख रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इस राशि से पुस्तकों के साथ आईटी उपकरण, कंप्यूटर, डिजिटल लर्निंग संसाधन और आधुनिक फर्नीचर की व्यवस्था की जा रही है।इन डिजिटल लाइब्रेरियों में विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए 20 हजार से अधिक डिजिटल अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। इनमें ई-बुक्स, वीडियो लेक्चर, ऑडियो कंटेंट, डिजिटल लर्निंग मॉड्यूल, इंटरैक्टिव क्विज तथा अन्य आधुनिक अध्ययन संसाधन शामिल होंगे। सरकार का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को शहरों जैसी अध्ययन सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ताकि वे प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।योजना के सकारात्मक परिणाम भी सामने आने लगे हैं। मथुरा जिले की अडिंग ग्राम पंचायत स्थित डिजिटल लाइब्रेरी 'ज्ञानम्-ज्योतिः' से अध्ययन करने वाले टिटू शर्मा और मनीष यादव का चयन उत्तर प्रदेश पुलिस में उपनिरीक्षक पद पर हुआ है। उनकी इस उपलब्धि पर मुख्य विकास अधिकारी ने दोनों युवाओं को सम्मानित किया। इसे योजना की सफलता का प्रारंभिक उदाहरण माना जा रहा है, जिसने यह साबित किया है कि यदि ग्रामीण युवाओं को गुणवत्तापूर्ण अध्ययन संसाधन उपलब्ध हों तो वे भी बड़ी सफलताएं हासिल कर सकते हैं।पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि डिजिटल लाइब्रेरी योजना ग्रामीण युवाओं को शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि गांव का कोई भी प्रतिभाशाली छात्र केवल संसाधनों की कमी के कारण अपने सपनों से वंचित न रहे।

साथियों को भूखे मरता छोड़ खुद जीत का जश्न बनाती कॉकरोच जनता पार्टी

गिद्धों का भी एक धर्म होता है, वो जिंदा जानवरों का मांस नहीं खातीं। वह प्रतीक्षा करती हैं उसके मरने की और प्राण छोडने के बाद ही लोथड़ों को नोचती हैं। लेकिन आज का इंसान गिद्ध से भी ज्यादा विभत्स हो गया लगता है। नीट पेपर लीक को लेकर देश भर में प्राण गंवाने वाले 21 युवाओं के पोस्टर लगा कर दिल्ली के जंतर मंतर पर धरना देने वाली कॉकरोच जनता पार्टी के नेता इन युवाओं का शोक मनाना तो दूर बल्कि केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के तुरंत बाद फाइव स्टार होटलों में कुल्हे मटकाते और बोतलों के ढक्कन खोलते दिखे। पेपर लीक मामले में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का त्यागपत्र हो गया और लगभग एक महीने से दिल्ली के जंतर मंतर पर लोकतंत्र की नई-नई रखवाली कॉकरोच जनता पार्टी का धरना भी खत्म हो गया पर दो दिनों के भीतर ही इन नए नवेले लोकतंत्र के रखवालों का असली चेहरा सामने आने लगा है। नीट पेपर लीक होने के आक्रोश में मारे गए जिन युवाओं के पोस्टर लगा कर कोहराम मचाने वाली कॉकरोच जनता पार्टी के नेताओं ने इतना तमाशा किया वो अपने साथियों को भूखे मरता छोड़ खुद फाइव स्टार होटलों में ठुमके लगाते और बीयर पार्टी करते हुए दिखाई दिए। लाशों के मंच पर लग रहे ठुमके और उड़ रही शराब की दुर्गंध इस बात की साक्षी है कि इस तरह की हरकत करने वालों के मनों में कितनी सड़ांध भरी होगी।

केवल आम जनता ही नहीं बल्कि खुद सीजेपी के आंदोलन से जुड़े लोगों ने इसे शर्मनाक बताया है। सीजेपी के मंच पर भूख हड़ताल पर बैठे एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने वायरल वीडियो को लेकर कहा है कि जीत के साथ विनम्रता भी होनी चाहिए। सोनम ने कहा कि सफलता पाने के साथ-साथ सम्मान और विनम्रता बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है। सीजेपी समर्थकों ने भी पार्टी के वीडियो की आलोचना की है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के संस्थापक सदस्य और कमेंटेटर-यूट्यूबर मेघनाद ने सीजेपी नेताओं पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जब विरोध प्रदर्शन खत्म होने के बाद दर्जनों प्रदर्शनकारी सडक़ों पर बेघर और भूखे रह गए थे तब ये नेता पार्टी कर रहे थे। इंस्टाग्राम पोस्ट में मेघनाद ने कहा कि उन्होंने और कुछ अन्य लोगों ने उन दर्जनों प्रदर्शनकारियों के लिए यात्रा और भोजन का इंतजाम किया जो सीजेपी नेताओं के साथ एक महीने से ज्यादा समय से जंतर-मंतर पर डेरा डाले हुए थे। मेघनाद ने सीजेपी पार्टी के वीडियो के बारे में लिखा, 'मैं यह सुबह 4 बजे देख रहा हूं। मैंने और कुछ लोगों ने पिछले दो दिनों में अपने पैसे से सीजेपी के उन वॉलंटियर्स और प्रदर्शनकारियों को घर भेजा है जिन्हें बेसहारा और भूखा छोड़ दिया गया था। मैं कुछ नहीं कहने वाला था लेकिन मैंने यह वीडियो देखा और मुझे बहुत गुस्सा आ रहा है।' उन्होंने सीजेपी के लिए कड़े शब्दों के साथ अपनी पोस्ट खत्म की, 'जब आप पार्टी कर रहे थे तब दिल्ली में 70 से ज्यादा प्रदर्शनकारी और छात्र भूखे रह गए क्योंकि आपने परवाह न करने का फैसला किया था। बधाई हो सीजेपी आखिरकार आप भी एक और राजनीतिक पार्टी बन ही गए।'

ऐसा शायद पहली बार हुआ है कि किसी आंदोलन के खत्म होने के दो दिनों बाद ही उसमें फूट पड़ती दिख रही हो। आखिर पड़े भी क्यों ना, कुछ लोगों ने देश के युवाओं के आक्रोश का लाभ उठाया और देखते ही देखते वे दुनिया में अभियानवादियों के स्टार बन गए। उनकी कही बातें अब इंटरनेशनल मीडिया में गूंज रही हैं और उनकी भाव भंगिमा ऐसी है मानो उन्होंने बहुत बड़ा मार्का मार लिया हो। लेकिन क्या फाइव स्टार होटलों में गुलछर्रे उड़ाने वाले जेन-जी नेता बताएंगे कि आंदोलन के दौरान कितनी बार पेपर लीक के मृतकों को याद किया गया। केंद्रीय मंत्री के इस्तीफे के बाद काक्रोचों ने अहंकारमयी मुद्रा में आकर कहा कि 'झुकती है दुनिया झुकाने वाला चाहिए।' सीजेपी के नेता जीत के जश्न में उन लोगों को क्यों भूल गए जिन्होंने अपनी जानें दीं। उन परिवारों को क्यों नहीं बुलाया गया जिन्होंने अपने बच्चों को खोया। असल में कुछ अभियानवादियों ने इन 21 युवाओं की लाशों का मंच की तरह उपयोग किया और अपना कद बड़ा कर चलते बने। कहने को ये जेन-जी वाले शिक्षा नीति में सुधार का नारा लेकर आए थे परंतु इनका असली नारा यही दिखता है कि 'अपना काम है बनता-भाड़ में जाए जनता।' ऐसे मुर्दाखोर आंदोलनकारियों पर तो शायद गिद्धों को भी शर्म आ जाए।

बांग्लादेश से व्यापार के लिए पुतिन ने भारतीय रुपए पर लगाया दाँव

रूस ने बांग्लादेश को प्रस्ताव दिया है कि दोनों देशों के बीच होने वाला व्यापार भारतीय रुपये में निपटाया जाए। इसके साथ ही मॉस्को एक विशेष भुगतान तंत्र विकसित करने, ढाका में रूसी बैंक की शाखा खोलने तथा प्रत्यक्ष बैंकिंग संपर्क स्थापित करने की भी पहल कर रहा है।

नीरज कुमार दुबे

रूस ने बांग्लादेश के साथ भारतीय रुपये में व्यापार करने का प्रस्ताव देकर दक्षिण एशिया की भू-राजनीति में नई हलचल पैदा की तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत में अपने राजदूत सर्जियो गोर को तुरंत ढाका जाने का निर्देश दे डाला। इन दोनों घटनाक्रमों को साथ जोड़कर देखें तो तस्वीर साफ नजर आती है। एक ओर रूस अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने के लिए भारत की वित्तीय ताकत का सहारा लेकर बांग्लादेश को अपने साथ जोड़ना चाहता है, वहीं दूसरी ओर चीन और रूस के साथ ढाका की बढ़ती नजदीकियों ने वॉशिंगटन की चिंता बढ़ा दी है। माना जा रहा है कि इसी वजह से ट्रंप प्रशासन ने अपने शीर्ष राजनयिक को ढाका भेजने का फैसला किया है। भारत के लिए यह घटनाक्रम इसलिए बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें रुपया, क्षेत्रीय कूटनीति और हिंद-प्रशांत की बदलती रणनीतिक राजनीति एक साथ जुड़ते दिखाई दे रहे हैं।

हम आपको बता दें कि रूस ने बांग्लादेश को प्रस्ताव दिया है कि दोनों देशों के बीच होने वाला व्यापार भारतीय रुपये में निपटाया जाए। इसके साथ ही मॉस्को एक विशेष भुगतान तंत्र विकसित करने, ढाका में रूसी बैंक की शाखा खोलने तथा प्रत्यक्ष बैंकिंग संपर्क स्थापित करने की भी पहल कर रहा है। यह प्रस्ताव रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद अमेरिकी और पश्चिमी प्रतिबंधों से उत्पन्न वित्तीय संकट का सीधा जवाब है। प्रतिबंधों के कारण रूसी बैंक वैश्विक भुगतान प्रणाली से काफी हद तक कट गए हैं और इसी वजह से मॉस्को चीन, तुर्किये और भारत जैसे देशों के साथ स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने की नीति पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

इस प्रस्ताव का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि रूस ने चीनी युआन की बजाय भारतीय रुपये को प्राथमिकता दी है। इससे पहले रूपपुर परमाणु ऊर्जा परियोजना के ऋण भुगतान के लिए युआन का विकल्प सामने आया था, लेकिन चीन और बांग्लादेश के बैंक अमेरिकी प्रतिबंधों के जोखिम के कारण भुगतान प्रक्रिया का हिस्सा बनने से हिचक गए। परिणामस्वरूप अरबों डॉलर की ऋण किस्तें अभी भी सोनाली बैंक में रूस के नाम खोले गए खाते में फंसी हुई हैं। ऐसे में भारतीय रुपया रूस के लिए अपेक्षाकृत अधिक व्यावहारिक और विश्वसनीय विकल्प बनकर उभरा है। यह भारत की वित्तीय विश्वसनीयता और रुपये के बढ़ते अंतरराष्ट्रीय महत्व का भी संकेत है।

बताया जा रहा है कि सितंबर या अक्टूबर में होने वाली बांग्लादेश-रूस अंतर-सरकारी आयोग की बैठक में इस प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा होगी। हम आपको बता दें कि रूस केवल भुगतान व्यवस्था तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि रूस-बांग्लादेश बिजनेस काउंसिल, वस्त्र निर्यातकों का पंजीकरण, विशेष आर्थिक क्षेत्रों में निवेश, लघु एवं मध्यम उद्योगों के सहयोग तथा कृषि और खाद्य सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने का भी प्रस्ताव लेकर आया है। मॉस्को ने बांग्लादेश को अंतरराष्ट्रीय बाजार से 10 डॉलर प्रति टन कम कीमत पर लगभग 2.8 लाख टन यूरिया उर्वरक उपलब्ध कराने की पेशकश भी की है। इसके अलावा सूरजमुखी तेल, दालों और अन्य आवश्यक वस्तुओं के निर्यात में भी रुचि दिखाई है। दूसरी ओर ढाका प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल अर्थव्यवस्था, नवाचार, कृषि, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास, कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में सहयोग को अपनी प्राथमिकता बना रहा है।

देखा जाये तो सामरिक दृष्टि से यह घटनाक्रम भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यदि रूस और बांग्लादेश के बीच व्यापार भारतीय रुपये में होता है, तो यह दक्षिण एशिया में रुपये के अंतरराष्ट्रीय उपयोग को नई गति देगा। इससे डॉलर आधारित भुगतान प्रणाली पर निर्भरता कम होगी और भारत एक क्षेत्रीय वित्तीय सेतु के रूप में उभर सकता है। यह भारत की उस दीर्घकालिक रणनीति के भी अनुकूल है जिसके तहत वह रुपये के अंतरराष्ट्रीयकरण और वैकल्पिक वित्तीय तंत्र के निर्माण पर जोर दे रहा है।

इसी पृष्ठभूमि में सर्जियो गोर का 30 जुलाई का ढाका दौरा विशेष महत्व प्राप्त करता है। सर्जियो गोर, जो दक्षिण एवं मध्य एशिया के लिए अमेरिकी विशेष दूत होने के साथ भारत में अमेरिका के राजदूत भी हैं, वह बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान और विदेश मंत्री खलीलुर रहमान से मुलाकात कर रहे हैं। यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब प्रधानमंत्री तारिक रहमान हाल ही में चीन की यात्रा कर चुके हैं और बीजिंग के साथ व्यापार, आर्थिक गलियारे तथा रक्षा सहयोग को नई गति देने पर सहमति बनी है। विशेष रूप से बांग्लादेश-म्यांमार आर्थिक गलियारे के चीनी प्रस्ताव ने वॉशिंगटन की चिंता बढ़ा दी है।

यही वह बिंदु है जहां पूरी तस्वीर स्पष्ट होती है। रूस आर्थिक मोर्चे पर बांग्लादेश को अपने साथ जोड़ना चाहता है, चीन अवसंरचना और सामरिक संपर्क के माध्यम से अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है, जबकि अमेरिका इस बढ़ती रूस-चीन धुरी को संतुलित करने के लिए सक्रिय हो गया है। सर्जियो गोर का ढाका दौरा इसी रणनीतिक प्रतिक्रिया का हिस्सा माना जा रहा है। ट्रंप प्रशासन यह समझता है कि यदि बांग्लादेश रूस और चीन के साथ गहरे आर्थिक एवं सामरिक रिश्ते विकसित करता है, तो बंगाल की खाड़ी से लेकर हिंद-प्रशांत तक शक्ति संतुलन बदल सकता है। इसलिए वॉशिंगटन अब ढाका की विदेश नीति की प्राथमिकताओं को प्रत्यक्ष रूप से समझना और उसे अपने प्रभाव क्षेत्र में बनाए रखना चाहता है।

दूसरी ओर, भारत के लिए यह पूरा घटनाक्रम अवसर इसलिए है कि रूस भारतीय रुपये को क्षेत्रीय भुगतान की धुरी बनाना चाहता है और बांग्लादेश पहले से ही भारत के साथ कुछ व्यापार रुपये में करता है। साथ ही भारत के लिए यह घटनाक्रम चुनौती भी है क्योंकि यदि चीन का आर्थिक गलियारा और रूस की वित्तीय व्यवस्था समानांतर रूप से मजबूत होती है, तो दक्षिण एशिया की भू-राजनीति पहले से कहीं अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाएगी। भारत को ऐसे समय संतुलित कूटनीति, मजबूत आर्थिक संपर्क और क्षेत्रीय नेतृत्व के माध्यम से अपनी भूमिका को और सुदृढ़ करना होगा।

भौगोलिकसंदर्भ

बहरहाल, स्पष्ट है कि यह केवल व्यापारिक प्रस्ताव या एक राजनयिक यात्रा की कहानी नहीं है। यह उस नए एशियाई शक्ति-संतुलन का संकेत है जिसमें डॉलर की जगह स्थानीय मुद्राएं, प्रतिबंधों की जगह वैकल्पिक वित्तीय तंत्र और पारंपरिक गठबंधनों की जगह बहुध्रुवीय समीकरण तेजी से आकार ले रहे हैं। बांग्लादेश इस नई भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र बनता दिख रहा है और भारत उसकी धुरी बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

व्यंग्य

सो, जैसा राजा मिला है उसे स्वीकार करें

जब से नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने हैं तब से उन्होंने स्वंय, उनकी पार्टी के नेताओं और संघ के पदाधिकारियों ने सैकड़ों बार जनता को उसके कर्तव्यों की याद दिलाई है। बार बार कहा है कि नागरिकों को अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। यह भी कहा गया कि देश में लोग अधिकार की बात तो करते हैं लेकिन कर्तव्य की बात नहीं करते हैं। दावा किया गया कि अगर नागरिक अपने कर्तव्यों का निर्वहन ठीक ढंग से करेंगे तभी भारत विकास करेगा। अच्छी बात है कि नागरिकों को अपने कर्तव्य निभाने चाहिए। उसे समय पर टैक्स भरना चाहिए। उसे अपने आसपास सफाई रखनी चाहिए। उसे पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले काम नहीं करने चाहिए। उसे ईमानदार होना चाहिए। आदि आदि।

सवाल है सरकार का क्या दायित्व है? नागरिक क्यों सरकार चुनते हैं? इसलिए क्योंकि जो काम वे खुद नहीं कर सकते हैं उन कार्यों को जिम्मेदारी और ईमानदारी के साथ करने के लिए सरकार चुनी जाती है। लोग अपने अधिकार का समर्पण करते हैं और अपनी कमाई के पैसे सरकार चलाने के लिए देते हैं। लेकिन बदले में उन्हें क्या मिलता है? नेताओं का भाषण! सरकार उलटे नागरिकों से ही उम्मीद लगाए बैठी हैं कि वे सब काम करेंगे और सरकार में बैठे हुए लोग राज करेंगे।

अब भारत में किसी चीज के लिए सरकार की कोई जिम्मेदारी नहीं है। सरकार का काम सिर्फ इतना दिख रहा है कि वह लोगों से टैक्स वसूले और सरकार में शामिल लोगों के वेतन, भत्ते, पेंशन आदि की व्यवस्था करे। सरकार चलाने में होने वाली हर गड़बड़ी को इस तर्क से ढका जाता है कि इतना बड़ा देश है, इतनी बड़ी व्यवस्था है, इतनी आबादी है तो थोड़ी बहुत गड़बड़ तो होगी ही।

सोचें, इस तर्क पर। यह कितना अवैज्ञानिक और सुविधाजनक तर्क है। क्या व्यवस्था इस तरह से काम करती है? अगर किसी काम के लिए कोई नियम बना है, कोई व्यवस्था बनी है तो वह ठीक तरीके से काम करनी चाहिए और अगर काम ठीक से नहीं हो रहा है तो उसे करने वाले लोगों की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। लेकिन इतने बड़े देश का तर्क दिया जाता है इसका मतलब ही है कि सब कुछ संयोगों के सहारे चल रहा है। इतना बड़ा देश कोई आदमी कैसे चला सकता है।

मतलब भगवान ही इस देश को चला रहे हैं। तब भगवान को कोई कैसे जिम्मेदार ठहरा सकता है? हां, भारत अब राज्य की उत्पत्ति के दैवीय सिद्धांत के आधार पर संचालित हो रहा है। राज्य की उत्पत्ति का दैवी सिद्धांत कहता है कि राजा अगर अच्छा है तो इसका मतलब है कि ईश्वर प्रजा से खुश हैं और उन्होंने अच्छा राजा दिया है। राजा अगर बुरा है तो इसका मतलब है कि ईश्वर प्रजा को दंड देना चाहते हैं इसलिए उन्होंने बुरा राजा दिया। सो, जैसा राजा मिला है उसे ईश्वर की मर्जी मान कर स्वीकार करें।

ब्लॉग

धुंधलाती गुरु-गरिमा को पुन:स्थापित करने का महापर्व

ललित गर्ग

भारतीय संस्कृति का प्राण यदि किसी एक तत्व में समाहित है, तो वह है-गुरु। गुरु केवल ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाली चेतना है। वह मनुष्य के भीतर सोई हुई संभावनाओं को जगाता है, उसके व्यक्तित्व को संस्कारित करता है और उसे आत्मोन्नति के मार्ग पर अग्रसर करता है। इसीलिए भारतीय मनीषा ने गुरु को ईश्वर से भी श्रेष्ठ माना है। प्रसिद्ध वचन-'गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु, गुरु देवो महेश्वरः'-केवल स्तुति नहीं, बल्कि गुरु की उस महत्ता का उद्घोष है जिसके बिना जीवन का कोई भी आयाम पूर्ण नहीं हो सकता। आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को मनाया जाने वाला गुरु पूर्णिमा का पर्व केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, कृतज्ञता और जीवन-मूल्यों के पुनर्जागरण का अवसर है। यह दिन हमें स्मरण कराता है कि मनुष्य की सबसे बड़ी उपलब्धि धन, पद या प्रसिद्धि नहीं, बल्कि सही मार्गदर्शन है। जिसने जीवन को सही दिशा दे दी, उसने सब कुछ दे दिया। इतिहास

भारतीय परंपरा में इस दिन महर्षि वेदव्यास का जन्मोत्सव भी मनाया जाता है, इसलिए इसे व्यास पूर्णिमा कहा जाता है। वेदव्यास ने वेदों का संकलन किया, महाभारत की रचना की और भारतीय ज्ञान-परंपरा को सुव्यवस्थित स्वरूप दिया। उन्होंने केवल ग्रंथ नहीं लिखे, बल्कि मानवता को विचारों की ऐसी ज्योति दी जो सहस्राब्दियों से विश्व का मार्गदर्शन कर रही है। इसीलिए गुरु पूर्णिमा ज्ञान और जीवन-दृष्टि के प्रति कृतज्ञता का पर्व है। गुरु का अर्थ केवल शिक्षक नहीं है। शिक्षक सूचना देता है, गुरु चेतना जगाता है। शिक्षक बुद्धि को विकसित करता है, गुरु व्यक्तित्व को प्रकाशित करता है। शिक्षक व्यवसाय हो सकता है, लेकिन गुरु सदैव तपस्या होता है। गुरु वह है जो मनुष्य के भीतर के अंधकार को हटाकर आत्मविश्वास, विवेक और करुणा का दीप प्रज्वलित करे। गुरु का स्पर्श केवल मस्तिष्क तक नहीं पहुँचता, वह आत्मा तक उतरता है।

मेरे जीवन में गुरु का स्वरूप केवल एक पूज्य व्यक्तित्व का नहीं, बल्कि जीवन के प्रत्येक मोड़ पर प्रकाश-स्तंभ का रहा है। परम पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री तुलसी ने अपने प्रत्यक्ष सान्निध्य, प्रेरणाओं और जीवन-दृष्टि से मुझे बार-बार यह अनुभव कराया कि गुरु केवल ज्ञान देने वाले नहीं होते, वे जीवन के प्रत्येक अंधकार में दिशा दिखाने वाले दिव्य पथ-प्रदर्शक होते हैं। अनेक ऐसे अवसर आए, जब परिस्थितियां अत्यंत जटिल थीं, समाधान का कोई मार्ग दिखाई नहीं देता था, लेकिन गुरु का स्मरण, उनकी वाणी और उनके द्वारा प्रदत्त संस्कारों ने सहज ही नई राह खोल दी। कई बार उनके प्रत्यक्ष मार्गदर्शन ने ऐसी समस्याओं का समाधान किया, जो मानवीय दृष्टि से असंभव प्रतीत होती थीं। मैंने अनुभव किया है कि गुरु केवल वर्तमान का संबल नहीं बनते, वे भविष्य का निर्माण भी करते हैं। वे केवल सांसारिक जीवन को सफल बनाने की प्रेरणा नहीं देते, बल्कि आत्मा की अनंत यात्रा को भी आलोकित करते हैं। मृत्यु के पार के कल्याण का मार्ग भी गुरु ही प्रशस्त करते हैं। ऐसे अनुभव शब्दों में पूर्णतः व्यक्त नहीं किए जा सकते, क्योंकि वे तर्क से अधिक श्रद्धा, समर्पण और आत्मानुभूति के विषय हैं। आचार्य श्री तुलसी के प्रति मेरी अटूट निष्ठा का आधार कोई चमत्कार नहीं, बल्कि उनके जीवन की तपश्चर्या, दूरदर्शिता, करुणा, आत्मीयता और वह दिव्य गुरु-शक्ति है, जिसने मेरे जीवन को बार-बार नई दिशा, नई चेतना और नई ऊँचाइयां प्रदान की हैं।

आज दुनिया अभूतपूर्व वैज्ञानिक उपलब्धियों के दौर से गुजर रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल क्रांति और तकनीकी विकास ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन क्या मनुष्य पहले से अधिक शांत, संतुलित और संवेदनशील हुआ है? उत्तर सहज नहीं है। ज्ञान बढ़ा है, परंतु विवेक घटा है। सूचना का विस्फोट हुआ है, लेकिन आत्मबोध का अभाव गहराया है। तकनीक ने गति दी है, पर दिशा देने वाला गुरु दुर्लभ होता जा रहा है। यही आधुनिक समय का सबसे बड़ा संकट है। आज शिक्षा संस्थान डिग्रियां दे रहे हैं, लेकिन जीवन जीने की कला नहीं सिखा पा रहे। प्रतियोगिता बढ़ रही है, पर सहयोग घट रहा है। सफलता की दौड़ तेज हुई है, पर संतोष पीछे छूट गया है। ऐसे समय में गुरु पूर्णिमा केवल परंपरा का निर्वाह नहीं, बल्कि जीवन की दिशा सुधारने का राष्ट्रीय और वैश्विक अभियान बनना चाहिए।

गुरु का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि वह केवल सफलता नहीं सिखाता, सार्थकता सिखाता है। वह केवल लक्ष्य तक पहुँचने की विधि नहीं बताता, बल्कि यह भी बताता है कि लक्ष्य कैसा होना चाहिए। गुरु मनुष्य को बाहर की दुनिया जीतने से पहले अपने भीतर की दुनिया को जीतना सिखाता है। आत्मसंयम, विनम्रता, सेवा, करुणा और सत्यनिष्ठा जैसे गुण गुरु के सान्निध्य में ही विकसित होते हैं। भारतीय इतिहास गुरु-शिष्य परंपरा के अनुपम उदाहरणों से भरा पड़ा है। श्रीराम ने वशिष्ठ और विश्वामित्र से मर्यादा सीखी। श्रीकृष्ण ने संदीपनि से शिक्षा ग्रहण की और स्वयं अर्जुन के जीवन में गुरु बनकर उसे कर्मयोग का संदेश दिया। भगवान महावीर के गणधर गौतम, भगवान बुद्ध के आनंद और गुरु नानक के उत्तराधिकारी गुरु अंगद इस बात के प्रमाण हैं कि सच्चा गुरु केवल ज्ञान नहीं देता, वह नया व्यक्तित्व गढ़ता है। लेकिन आज गुरु की गरिमा अनेक कारणों से धूमिल हुई है। कुछ कथित गुरुओं ने अध्यात्म को प्रदर्शन, चमत्कार और व्यापार का माध्यम बना दिया है। श्रद्धा का स्थान प्रचार ने ले लिया है। आध्यात्मिकता की जगह बाजारवाद ने प्रवेश कर लिया है। ऐसे वातावरण में विवेकपूर्वक गुरु का चयन अत्यंत आवश्यक है। संतों ने ठीक ही कहा है-'पानी पीजै छान के, गुरु कीजै जान के।' गुरु वह नहीं जो भीड़ जुटाए, बल्कि वह है जो व्यक्ति के भीतर चरित्र, साहस और आत्मविश्वास का निर्माण करे।

सच्चा गुरु कभी अपने व्यक्तित्व का प्रचार नहीं करता। उसका जीवन ही उसका संदेश होता है। वह अपने अनुयायियों को स्वयं पर आश्रित नहीं बनाता, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाता है। वह अंधभक्ति नहीं, आत्मजागरण सिखाता है। उसका मौन भी शिक्षा होता है और उसका आचरण सबसे बड़ा उपदेश। आज आवश्यकता केवल अच्छे गुरुओं की नहीं, बल्कि अच्छे शिष्यों की भी है। गुरु तभी प्रभावी होता है जब शिष्य में विनम्रता, जिज्ञासा और ग्रहणशीलता हो। अहंकार से भरा हुआ पात्र ज्ञान को धारण नहीं कर सकता। इसलिए गुरु पूर्णिमा हमें केवल गुरु का सम्मान करना नहीं सिखाती, बल्कि अपने भीतर योग्य शिष्य बनने की प्रेरणा भी देती है।

यदि हम विश्व को अधिक शांतिपूर्ण, मानवीय और संतुलित बनाना चाहते हैं, तो उसके लिए केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं होगा। नई विश्व-व्यवस्था का निर्माण आध्यात्मिक मूल्यों पर ही संभव है। विज्ञान हमें साधन दे सकता है, लेकिन उनका सदुपयोग कैसे हो, यह गुरु ही सिखा सकता है। राजनीति व्यवस्था बना सकती है, पर चरित्र का निर्माण गुरु ही करता है। कानून अपराध रोक सकता है, लेकिन अपराध की प्रवृत्ति को समाप्त करने का कार्य संस्कार ही कर सकते हैं और संस्कारों का सबसे बड़ा स्रोत गुरु है। इक्कीसवीं सदी में मानवता के सामने हिंसा, आतंकवाद, पर्यावरण संकट, मानसिक तनाव, पारिवारिक विघटन और नैतिक पतन जैसी अनेक चुनौतियां हैं। इन समस्याओं का समाधान केवल तकनीकी उपायों से संभव नहीं है। इनके मूल में मनुष्य की चेतना है, और चेतना का परिष्कार गुरु ही कर सकता है। इसलिए गुरु केवल व्यक्ति का निर्माता नहीं, बल्कि समाज और विश्व का भी निर्माता है। गुरु पूर्णिमा का वास्तविक संदेश यही है कि हम गुरु को केवल पूजें नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारें। उनके बताए मार्ग पर चलें। सेवा को जीवन का धर्म, संयम को शक्ति, सत्य को आधार और करुणा को व्यवहार बनाएं। यही सच्ची गुरु-भक्ति है। गुरु पूर्णिमा हमें यही संकल्प लेने की प्रेरणा देती है कि हम अपने जीवन में ऐसे गुरु-तत्त्व को स्थान देंगे जो हमें केवल सफल नहीं, बल्कि श्रेष्ठ मनुष्य बनाए। नई विश्व-संरचना का आधार यदि किसी एक शक्ति में निहित है, तो वह गुरु की चेतना, गुरु के संस्कार और गुरु के आदर्श हैं। जब गुरु की गरिमा पुनः शिखर पर प्रतिष्ठित होगी, तभी मानवता का भविष्य भी प्रकाशमय, संतुलित और आदर्श बन सकेगा।

भदोही का नाम फिर होगा 'संत रविदास नगर', गुरु पूर्णिमा पर सीएम योगी का बड़ा ऐलान

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। वाराणसी के सीर गोवर्धनपुर स्थित संत गुरु रविदास जी महाराज की जन्मस्थली से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सामाजिक समरसता अभियान की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि भदोही जिले का नाम एक बार फिर 'संत रविदास नगर' किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह फैसला संत रविदास जी महाराज के प्रति श्रद्धा और सम्मान व्यक्त करने के लिए लिया गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य सरकार संत गुरु रविदास, महर्षि वाल्मीकि, बाबा साहब डॉ। भीमराव आंबेडकर और सामाजिक न्याय से जुड़े अन्य महापुरुषों की सार्वजनिक स्थानों पर लगी प्रतिमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। जिन प्रतिमाओं पर छतरी नहीं है, वहां सरकार अपने खर्च पर छतरी बनवाएगी, ताकि उनका सम्मान और संरक्षण बना रहे।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि संत रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती वर्ष का शुभारंभ गुरु पूर्णिमा से किया जा रहा है, जो अगले वर्ष 20 फरवरी (माघी पूर्णिमा) तक चलेगा। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने महापुरुषों के सम्मान से जुड़े फैसलों को बदला था। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार पूर्व सरकारों की गलतियों को सुधारने का काम कर रही है।

देशभर में होंगे समरसता कार्यक्रम

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल समेत कई राज्यों के मंत्री और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। इस अवसर पर 131 कलशों में संत रविदास जी महाराज की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर की पवित्र मिट्टी भरकर देश के 28 राज्यों के 97 जिलों में भेजी जाएगी। इसके अलावा देशभर में 5,000 से अधिक स्थानों पर सामाजिक समरसता गोष्ठियों का आयोजन होगा। इन कार्यक्रमों में संत रविदास जी के जीवन, साहित्य, दर्शन और सामाजिक समरसता के संदेश को लोगों तक पहुंचाया जाएगा।

650वीं जयंती वर्ष तक चलेंगे आयोजन

सरकार के अनुसार, संत रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के अवसर पर प्रदेश और देश के विभिन्न हिस्सों में कई सांस्कृतिक, सामाजिक और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन आयोजनों का उद्देश्य संत रविदास जी के समानता, भाईचारे और सामाजिक समरसता के विचारों को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाना है।

पर्यावरण संरक्षण को जनआन्दोलन बनायें

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. रविन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि वृक्ष लगाना केवल पर्यावरण की रक्षा का कार्य नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि इस अभियान ने प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ते हुए एक व्यापक जनआंदोलन का रूप दिया है।डॉ. सिंह ने गुरुवार को मुख्य अतिथि के रूप में आई०आई०ए० औद्योगिक क्षेत्र, सतहरिया ा द्वारा में आयोजित वृक्षारोपण में सहभागिता की। कार्यक्रम का संयोजन उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, वाराणसी द्वारा किया गया। उन्होंने उपस्थित एमकेडी पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों एवं सुरक्षा बलों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति यदि एक पौधा लगाकर उसकी नियमित देखभाल करे, तो पर्यावरण संरक्षण का उद्देश्य अधिक प्रभावी ढंग से पूरा किया जा सकता है।कार्यक्रम में वन विभाग, के एसडीओ हरिओम श्रीवास्तव, सरफराज अहमद, उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, के क्षेत्रीय अधिकारी रोहित कुमार तथा आई०आई०ए०, के अध्यक्ष श्री बृजेश यादव सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

संक्षेप

साक्ष्यों के साथ प्रभावी ढंग से पैरवी करें

जौनपुर । जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित जनसुनवाई कक्ष में अभियोजन कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न न्यायालयों में लंबित अभियोजन प्रकरणों, दोषसिद्धि की प्रगति एवं विभागवार लंबित मामलों की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने अभियोजन अधिकारियों को निर्देशित किया कि गंभीर एवं संवेदनशील मामलों की प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करते हुए समयबद्ध कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि न्यायालयों में विचाराधीन प्रकरणों में अभियोजन पक्ष साक्ष्यों के साथ प्रभावी ढंग से पैरवी करे, ताकि दोषियों को शीघ्र सजा दिलाई जा सके। उन्होंने लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण एवं दोषसिद्धि दर बढ़ाने के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व परमानन्द झा, पुलिस विभाग, अभियोजन विभाग तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

युवती से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर। खेतासराय थाना पुलिस ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने तथा पॉक्सो एक्ट के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। पुलिस के अनुसार, थाना खेतासराय पर दर्ज मुकदमा का आरोपी गुलशन विन्द पुत्र शोभनाथ विन्द, निवासी चकमारुफपुर, थाना खेतासराय को रेलवे स्टेशन खेतासराय से गिरफ्तार किया गया। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के साथ पॉक्सो एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज है।गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायालय में पेश कर दिया।

वैवाहिक विवाद का शांतिपूर्ण समाधान

जौनपुर। थाना पवारा की मिशन शक्ति टीम ने पति-पत्नी के बीच चल रहे पारिवारिक विवाद का काउंसलिंग के माध्यम से सफलतापूर्वक निस्तारण कराया। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में संचालित मिशन शक्ति फेज-5 अभियान के तहत की गई।पुलिस के अनुसार ग्राम भटेवरा निवासी निधि यादव और संदीप यादव के बीच वैवाहिक मतभेद चल रहा था। दोनों पक्षों को मिशन शक्ति केंद्र बुलाकर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना गया। इसके बाद टीम ने आपसी संवाद, समझदारी और पारिवारिक सौहार्द बनाए रखने के लिए काउंसलिंग की।काउंसलिंग के बाद दोनों पक्षों ने अपने मतभेद समाप्त कर आपसी सहमति से समझौता कर लिया और भविष्य में सौहार्दपूर्ण वातावरण में साथ रहने का निर्णय लिया।

अवैध अस्पतालों पर स्वास्थ्य विभाग मेहरबान

जौनपुर । केराकत तहसील मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के ठीक आसपास और केराकत ब्लॉक क्षेत्र के लगभग सभी छोटे-बड़े बाजारों में इन दिनों अवैध अस्पतालों का जाल फैला हुआ है। आरोप है कि स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की शह पर ये अस्पताल बेधड़क चल रहे हैं, जहां न सिर्फ मरीजों की जान से खिलवाड़ किया जा रहा है, बल्कि उनसे मोटी रकम भी वसूली जा रही है।स्थानीय लोगों की मानें तो विभागीय साठगांठ के चलते इन अवैध अस्पतालों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती। यदि कभी कभार किसी मरीज के साथ कोई ऊंच नींच हो गई और बवाल हो गया तो ही कार्रवाई होती है। आलम यह है कि केराकत बाजार से लेकर ग्रामीण इलाकों की दुकानों और मकानों में बिना किसी वैध लाइसेंस या मानक के अस्पताल खोल दिए गए हैं। इन सेंटरों पर गंभीर मरीजों को भर्ती करने से लेकर अवैध तरीके से प्रसव और एबॉर्शन तक का खेल धड़ल्ले से चल रहा है।हाल ही में नाउपुर गांव में एक गर्भवती महिला की ऐसे ही एक अवैध अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल पर जमकर हंगामा और बवाल काटा था। तब जाकर प्रशासनिक दबाव में स्वास्थ्य विभाग जागा और आनन-फानन में उस अस्पताल पर सीलिंग व एफआईआर की कार्रवाई की गई।

टीम भावना के साथ कार्य करें कार्यदायी संस्थायें

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में विभिन्न ग्रामों में संचालित पेयजल परियोजनाओं की प्रगति, रोड रेस्टोरेशन, कार्यों की गुणवत्ता तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर परियोजनाओं को पूर्ण कराने की समीक्षा की गई। बैठक में प्रत्येक घर तक शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने, पाइपलाइन बिछाने, घरेलू नल कनेक्शन, ओवरहेड टैंक निर्माण तथा जलापूर्ति व्यवस्था के नियमित संचालन की विस्तार से समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि कार्य पूर्ण होने के उपरांत क्षतिग्रस्त सड़कों का रोड रेस्टोरेशन एवं साफ-सफाई का कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराया जाए। जिलाधिकारी ने भूमि विवाद एवं विद्युत आपूर्ति से संबंधित समस्याओं का संबंधित विभागों के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिन स्थानों पर कार्य धीमी गति से संचालित हो रहे हैं, वहां पर श्रमिकों की संख्या बढाकर, मशीनरी और अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराकर कार्य में तेजी लाई जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिशासी अभियंता जल निगम और अन्य संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि सभी परियोजनाओं को गुणवत्ता के साथ समयबद्ध रूप से पूर्ण कराया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जलापूर्ति से संबंधित शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जाए तथा नियमित स्थलीय निरीक्षण कर कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए।

वर्दी में आया था सिपाही, घर छोड़ने का वादा कर अस्पताल से उठा ले गया, अपहरण के बाद किया मासूम बच्ची का कत्ल

आर्यावर्त संवाददाता

गोरखपुर। यूपी के गोरखपुर में डायल-100 में तैनात सिपाही अभिषेक यादव ने बुधवार को जिला अस्पताल से घर लौट रही 10 वर्षीय बच्ची को अगवा कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने मूल रूप से गाजीपुर के रहने वाले सिपाही को हिरासत में ले लिया है और उसे लेकर बच्ची के शव की तलाश में देर तक जुटी रही। सुबह करीब चार बजे मासूम का शव चिलुआताल के श्मशान घाट पर मिला।

पुलिस के अनुसार, आजमगढ़ के कप्तानगंज थाना क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले बच्ची के पिता पिछले चार वर्षों से गोरखपुर में परिवार के साथ रहकर ई-रिक्शा चलाते हैं। 27 जुलाई को उनकी बड़ी बेटी की तबीयत खराब होने पर उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

मंगलवार रात करीब साढ़े आठ बजे 10 वर्षीय बच्ची अपनी बड़ी बहन के लिए खाना लेकर जिला अस्पताल पहुंची थी। बहन को खाना खिलाने के बाद रात करीब नौ बजे वह घर के लिए निकली लेकिन वापस नहीं पहुंची। काफी देर तक इंतजार के बाद परिजन ने अस्पताल परिसर और आसपास उसकी तलाश की। रिश्तेदारों और परिचितों से जानकारी लेने के बाद भी जब बच्ची का पता नहीं चला तो पुलिस को सूचना दी गई। इसके बाद पहुंची पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपी की पहचान कर ली। उसके पुलिस लाइंस से निकलने और अन्य गतिविधियों का ब्योरा भी खंगाला जा रहा है। अस्पताल में भर्ती 13 वर्षीय बड़ी बहन ने पुलिस को बताया कि दोनों बहनें अस्पताल परिसर में बैठकर खाना खा रही थीं। इसी दौरान पुलिस की वर्दी पहने एक युवक वहां आया और उनसे पता पूछने लगा। आरोप है कि सिपाही ने दोनों बच्चियों से कहा कि वह बाइक से घर छोड़ देगा। बड़ी बहन के मना करने के बाद भी आरोपी छोटी बहन को साथ चलने के लिए दबाव बनाता रहा।

इसके बाद वह काफी देर तक बच्ची के आसपास घूमता रहा। बच्ची के अस्पताल से निकलने के बाद आरोपी उसके पीछे चला गया। पुलिस जांच में अस्पताल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई जिसमें संदिग्ध युवक बच्ची को बाइक पर ले जाते हुए दिखाई दिया। फुटेज के आधार पर पुलिस ने आरोपी सिपाही को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

पहले भी विवादों में रहा है आरोपी सिपाही

पुलिस के मुताबिक, आरोपी सिपाही करीब एक वर्ष पहले भी गंभीर आरोपों को लेकर जांच के घेरे में आ चुका है। उस समय बंगाल की युवती से जुड़े दुष्कर्म और जालसाजी के मामले में उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। बताया जा रहा है कि युवती के बयान दर्ज नहीं होने के कारण उस मामले में दुष्कर्म के आरोप में कार्रवाई आगे नहीं बढ़ सकी थी। हालांकि पुलिस ने आरोपी के पास से बरामद कूटरचित आधार कार्ड के आधार पर उसे जेल भेजा था और उसी मामले में चार्जशीट दाखिल की गई थी। जेल से बाहर आने के बाद अब वह फिर एक गंभीर आरोप में घिर गया है।

'नीले ड्रम में भरवा दूंगी'... इटावा में पत्नी की धमकियों से टूटा युवक, फंदे पर झूलकर दी जान

आर्यावर्त संवाददाता

इटावा। उत्तर प्रदेश में इटावा शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र के आनंदनगर में मंगलवार देर रात 27 वर्षीय युवक ने घर के बरामदे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान विनय यादव पुत्र अनिल कुमार यादव के रूप में हुई है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतक के परिजनों का आरोप है कि विनय लंबे समय से वैवाहिक विवाद और मानसिक तनाव से जूझ रहा था। पिता अनिल कुमार यादव का कहना है कि उनकी बहू रंजना यादव, निवासी जगतपुर थाना अयाना, जिला औरैया, अक्सर उनके इकलौते बेटे को मानसिक रूप से प्रताड़ित करती थी। उनका दावा है कि वह कई बार उसे "नीले ड्रम में भरवा दूंगी" जैसी धमकियां भी देती थी। परिवार का आरोप है कि इन कथित धमकियों और लगातार चल रहे वैवाहिक विवाद ने विनय को मानसिक रूप से पूरी तरह तोड़ दिया था।

पिता के अनुसार विनय और रंजना ने करीब दस वर्ष पहले प्रेम विवाह किया था। दोनों के दो बच्चे हैं। परिवार का कहना है कि दिसंबर 2025 से रंजना अपने मायके में रह रही थी और उसके बाद से वह ससुराल वापस नहीं लौटी। इस दौरान पति-पत्नी के बीच विवाद लगातार बढ़ता गया और मामला न्यायालय तक पहुंच गया। मृतक के पिता ने आरोप लगाया कि करीब दो वर्ष पहले उनकी बहू एक युवक के साथ दिल्ली चली गई थी। बाद में दोनों बच्चों के भविष्य को देखते हुए परिवार ने समझौता कर उसे वापस घर बुला लिया था, लेकिन इसके बाद भी उसका दूसरे व्यक्ति से संपर्क बना रहा। उनका कहना है कि इस संबंध में न्यायालय में भी मामला विचाराधीन है।

पत्नी ने कराई थी पति की पिटाई

परिजनों का यह भी आरोप है कि लगभग एक माह पहले रंजना ने अपने कथित प्रेमी और उसके साथियों से विनय की औरैया में बेरहमी से पिटाई कराई थी। घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। इसके बाद परिवार उसे इटावा लेकर आया और इस मामले में भी न्यायालय का सहारा लिया गया। पिता का कहना है कि उस घटना के बाद से विनय और अधिक तनाव में रहने लगा था। परिवार के अनुसार, घटना वाली रात भी विनय की अपनी पत्नी से फोन पर बातचीत हुई थी। बातचीत समाप्त होने के बाद वह काफी परेशान दिखाई दिया। देर रात उसने घर के बरामदे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह परिजनों ने उसका शव फंदे से लटका देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी।

परिजनों ने की कार्रवाई की मांग

सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से निष्पक्ष जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, मोबाइल फोन की कॉल डिटेल, परिजनों के बयान तथा अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आत्महत्या के कारणों की जांच की जाएगी। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी।

कारगिल विजय दिवस पर तिरंगा रैली

जौनपुर। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर मुंगरा बादशाहपुर में भव्य कार्यक्रम एवं तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूनम यादव तथा विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत सदस्य जीत यादव रहीं। कार्यक्रम का नेतृत्व सेवानिवृत्त सैनिक सुशील कुमार पांडे एवं अन्य पूर्व सैनिकों ने किया। इस अवसर पर वीर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए गए तथा तिरंगा रैली निकाली गई। रैली के दौरान ष्भारत माता की जय, ष्हिंदुस्तान जिंदाबाद और वीर शहीद अमर रहेंष के नारों से पूरा क्षेत्र देशभक्ति के रंग में सराबोर हो गया। इस अवसर पर समाजसेवी जज सिंह अन्ना, अज्जू भैया, डॉ. विकास पाल, वसंत जैसवारा सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक और युवा रैली में शामिल हुए। आयोजक सेवानिवृत्त सैनिक सुशील कुमार पांडे ने बताया कि कारगिल के वीर शहीदों की स्मृति में यह कार्यक्रम प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है।

देवरिया में बेटे ने मां की ईंट से मारकर की निर्मम हत्या

आर्यावर्त संवाददाता

देवरिया। यूपी के देवरिया से एक कलयुगी बेटे द्वारा अपनी मां की हत्या का मामला सामने आया है। हत्या की वजह जमीन के विवाद को लेकर पारिवारिक कलह बताई जा रही है।दरअसल, देवरिया जिले के सलेमपुर थाना क्षेत्र के पिपरा नाजिर वार्ड में बीती रात संकेषा देवी (50 वर्ष), पत्नी जयराम चौहान की ईंट से हमला कर हत्या कर दी गई। पहले परिवार में जमकर कहासुनी हुई, जिसके बाद पारिवारिक विवाद ने हिंसक रूप ले लिया।

इसी दौरान तीसरे नंबर के बेटे, जो शराब का आदी बताया जा रहा है, ने अपनी मां के सिर पर ईंट से हमला कर दिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ीं। उन्हें इलाज के लिए आसपास के लोगों और परिजनों की मदद से सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बताया जा रहा है कि आरोपी बेटा शराब पीने का आदी था और अक्सर नशे की हालत में जमीन के विवाद को लेकर परिवार के सदस्यों से झगड़ा करता था। बुधवार रात भी वह शराब के नशे में था और परिवार के लोगों से विवाद करने लगा। मां ने जब इसका विरोध किया तो वह गुस्से में आ गया और उसने अपनी मां संकेषा देवी पर ईंट से हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने से वह जमीन पर गिर पड़ीं और उनकी मौत हो गई। घटना के बाद वार्ड के लोगों ने आरोपी की कड़ी निंदा की। स्थानीय लोगों का कहना है कि आरोपी शराब के नशे में इतना चूर था कि उसने अपनी ही मां की हत्या कर दी।

लोगों ने मांग की कि आरोपी के खिलाफ ऐसी सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, जो समाज के लिए नजीर बने, ताकि भविष्य में कोई भी इस तरह की घटना को अंजाम देने से पहले सौ बार सोचे। लोगों ने इस घटना पर गहरा दुख भी जताया।

सलेमपुर सीओ ने दी घटना की जानकारी

सलेमपुर के सीओ गौरव सिंह ने बताया कि बुधवार रात करीब 9 बजे थाना सलेमपुर क्षेत्र के पिपरा नाजिर से संकेषा देवी, पत्नी जयराम चौहान की हत्या की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उन्होंने बताया कि शुरुआती जांच में मृतका के बेटे द्वारा शराब के नशे में अपनी मां की हत्या किए जाने की बात सामने आई है। आरोपी को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

ट्रेन की चपेट में आने से अधेड़ की मौत

जौनपुर। शाहगंज क्षेत्र के लतीफपुर गांव में गुरुवार तड़के दर्दनाक हादसा हो गया। शौच के लिए रेलवे लाइन की ओर गए एक अधेड़ की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। लतीफपुर गांव निवासी 55 वर्षीय फिरतू राजभर सुबह करीब चार बजे शौच के लिए घर से निकले थे। परिजनों के अनुसार, वह गांव के पास स्थित रेलवे लाइन की ओर गए थे। इसी दौरान अचानक वह गुजर रही ट्रेन की चपेट में आ गए। ट्रेन की चपेट में आने से फिरतू राजभर की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद आसपास के लोग मौके पर जुट गए और परिजनों को सूचना दी। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। मृतक के भाई उजागिर राजभर ने पुलिस को बताया कि फिरतू सुबह घर से शौच के लिए निकले थे।

दुर्गा माता मंदिर के निर्माण का षुभारंभ

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। आदिशक्ति संस्था ट्रस्ट द्वारा संचालित प्राचीन दुर्गा माता मंदिर, सब्जी मंडी में माता रानी के भव्य दरबार निर्माण कार्य प्रारंभ होने के उपलक्ष्य में भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में बैठकर माता रानी का प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन के दौरान मंदिर परिसर जय माता दी के गगनभेदी जयघोष से गूंजता रहा। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कर दरबार निर्माण कार्य की सफलता एवं जनकल्याण की कामना की। भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और प्रसाद ग्रहण कर धर्म लाभ प्राप्त किया।ट्रस्ट पदाधिकारियों ने बताया कि माता रानी के भव्य दरबार का निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है। उन्होंने सभी भक्तों से इस पुण्य कार्य में तन, मन और धन से सहयोग करने की अपील की, ताकि मंदिर का भव्य स्वरूप शीघ्र पूर्ण हो सके। अध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव, महामंत्री दिलीप जायसवाल, मंत्री संतलाल मद्धेशिया, संरक्षक रूद्रेश जायसवाल, उपाध्यक्ष अंकित यादव एवं सुनील यादव, व्यवस्थापक सत्यम गुप्ता, मीडिया प्रभारी प्रियेश गुप्ता रुद्रा सहित ट्रस्ट के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

जब मिर्गी की दवाएं काम न करे...बच्चों में ड्रग-रेजिस्टेंट एपिलेप्सी को समझें

बच्चे को दौरे आते हैं और दवा के बाद भी ये कंट्रोल नहीं हो रहे हैं तो इसे ड्रग रेजिस्टेंट की सिचुएशन पुकारा जाता है। ऐसे हालातों में पेरेंट्स को क्या करना चाहिए, एक्सपर्ट से जानें...

ज्यादातर मामलों में बच्चों में मिर्गी (एपिलेप्सी) की बीमारी एंटी-सीज़र दवाओं से कंट्रोल हो जाती है। पर कुछ बच्चों में ठीक से दवा लेने के बावजूद दौरे आते रहते हैं। इस सिचुएशन को ड्रग-रेजिस्टेंट एपिलेप्सी कहा जाता है। इसका असर केवल बच्चे की शारीरिक सेहत पर ही नहीं, बल्कि उसकी पढ़ाई, सोचने-समझने की क्षमता और भावनात्मक स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है। इंटरनेशनल लीग अगेंस्ट एपिलेप्सी (ILAE) के अनुसार अगर दो सही एंटी-सीज़र दवाओं के इस्तेमाल के बाद भी दौरे कंट्रोल न हों, तो इसे ड्रग-रेजिस्टेंट एपिलेप्सी माना जाता है। मिर्गी से पीड़ित लगभग एक-तिहाई मरीज इस समस्या का सामना करते हैं।

इस कंडीशन में पैनिक होने के बजाय अच्छे डॉक्टर या एक्सपर्ट की सलाह लेनी चाहिए। चलिए आपको एक्सपर्ट के जरिए बताते हैं कि ऐसा क्यों होता है और इससे बचने के लिए क्या करना चाहिए?

किन संकेतों पर ध्यान दें?

डॉ। सूफ़ी रूमी ने बताया कहती हैं कि माता-पिता के लिए शुरुआती संकेतों को पहचानना बहुत जरूरी है। अगर बच्चा समय पर दवा लेने के बावजूद बार-बार दौरे का शिकार हो रहा है, दौरे पहले से ज्यादा आने लगे हैं या उनका तरीका बदल गया है, तो तुरंत डॉक्टर से मिलना चाहिए। बार-बार कुछ सेकंड तक एकटक देखते रहना, अचानक गिर जाना, शरीर में अनियंत्रित हरकतें होना, कुछ समय के लिए बेहोश हो जाना, बच्चे के विकास की गति धीमी पड़ना या दौरे के बाद लंबे समय तक सामान्य न हो पाना ऐसे संकेत हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इन लक्षणों का मतलब यह नहीं है कि इलाज संभव नहीं है, बल्कि समय पर सही जांच की जरूरत है।

सही जांच क्यों है जरूरी?

इसके बाद सबसे जरूरी कदम किसी बेस्ट एपिलेप्सी सेंटर में ठीक से जांच करानी है। इसमें लंबे समय तक ईईजी (EEG) मॉनिटरिंग, एपिलेप्सी प्रोटोकॉल एमआरआई (MRI), बच्चे के विकास संबंधी परीक्षण और जरूरत पड़ने पर जेनेटिक जांच की जाती है। इन जांचों से यह पता चलता है कि दौरे वास्तव में मिर्गी के कारण हैं या नहीं, उनका सोर्स क्या है और दवाओं के असर न करने की वजह क्या है। सही जांच से सही इलाज चुनने में आसानी होती है।

दवाओं के अलावा भी हैं इलाज

अगर नॉर्मल मेडिसिन से फायदा नहीं मिल रहा है, तो इसका मतलब यह नहीं कि इलाज के सारे रास्ते बंद हो गए हैं। आज बच्चों में मिर्गी के इलाज के कई आधुनिक विकल्प उपलब्ध हैं। इनमें मिर्गी की सर्जरी, न्यूरो मॉड्यूलेशन टेक्निक और डॉक्टरों की निगरानी में दी जाने वाली कीटोजेनिक डाइट शामिल हैं। यह कोई सामान्य वजन घटाने वाली डाइट नहीं है, बल्कि एक चिकित्सीय आहार है, जिसमें वसा अधिक और कार्बोहाइड्रेट कम मात्रा में दिए जाते हैं। इसे हमेशा विशेषज्ञों की देखरेख में ही अपनाना चाहिए।

समय पर इलाज है सबसे जरूरी

सबसे जरूरी बात यह है कि बच्चे को समय रहते किसी विशेषज्ञ केंद्र तक पहुंचाया जाए। बिना विशेषज्ञ जांच के बार-बार दवाएं बदलते रहने से बेहतर इलाज के अवसर छूट सकते हैं। समय पर सही इलाज मिलने से बच्चे की पढ़ाई, मानसिक विकास और जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाया जा सकता है।

हालांकि, डॉक्टर की सलाह के बिना कभी भी दवा बंद न करें और न ही उसकी मात्रा में बदलाव करें। सही समय पर इलाज मिलने से ड्रग-रेजिस्टेंट एपिलेप्सी से जूझ रहे बच्चे भी बेहतर और सामान्य जीवन जी सकते हैं।

खाने में तीखापन लाती है लाल मिर्च, जानिए इसके सेवन से मिलने वाले फायदे

लाल मिर्च का इस्तेमाल भारतीय रसोई में बहुत आम है। इसका उपयोग खाने को तीखा और स्वादिष्ट बनाने के लिए किया जाता है। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि लाल मिर्च में कई ऐसे गुण भी होते हैं, जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद हो सकते हैं। इस लेख में हम आपको लाल मिर्च के कुछ ऐसे ही लाभों के बारे में बताएंगे, जो आपको हैरान कर देंगे।

वजन कम करने में है मददगार

लाल मिर्च में एक खास तत्व होता है, जो शरीर की ऊर्जा को बढ़ाने में मदद करता है। यह तत्व शरीर की गर्मी को बढ़ाकर कैलोरी जलाने में सहायक होता है।

इसके अलावा यह भूख को कम करता है, जिससे आप कम खाते हैं और वजन नियंत्रित कर सकते हैं।

नियमित रूप से लाल मिर्च का सेवन करने से आप अपने वजन घटाने के लक्ष्य को तेजी से प्राप्त कर सकते हैं।

पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में है सहायक

लाल मिर्च का सेवन पाचन तंत्र के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह आंतरिक अंगों को सक्रिय करके पाचन क्रिया को बेहतर बनाती है।

इसके अलावा यह कब्ज, गैस और पेट दर्द जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में भी मदद करती है।

लाल मिर्च में मौजूद तत्व पाचन क्रिया को सुधारने में मदद करते हैं और शरीर को साफ करने में सहायक होते हैं। इस प्रकार लाल मिर्च का सेवन पाचन तंत्र के लिए लाभकारी हो सकता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में है प्रभावी

लाल मिर्च एक जरूरी विटामिन का अच्छा स्रोत होती है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में मदद करता है।

यह शरीर की सुरक्षा बढ़ाकर संक्रमण और बीमारियों से बचाव करता है। नियमित रूप से लाल मिर्च का सेवन करने से आप सर्दी-खांसी जैसी आम समस्याओं से बच सकते हैं और स्वस्थ रह सकते हैं।

इसके अलावा इसमें मौजूद गुण भी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में सहायक होते हैं।

खून के प्रवाह को बेहतर बनाने में है कारगर

लाल मिर्च खून के प्रवाह को बेहतर बनाने में मदद करती है। इसमें मौजूद तत्व रक्त वाहिकाओं को चौड़ा करता है, जिससे खून का प्रवाह सुचारू होता है।

यह तत्व शरीर के विभिन्न हिस्सों तक ऑक्सीजन युक्त खून पहुंचाने में सहायक होता है।

इसके अलावा यह तत्व थक्का बनने की संभावना को कम करता है, जिससे हृदय रोग का खतरा भी घटता है।

क्या सिर्फ डाइट से घट सकता है वजन, एक्सपर्ट से जानें सही तरीका

वजन घटाने के लिए कई तरीके फॉलो किए जाते हैं। इसमें सिर्फ डाइटिंग पर फोकस करना भी शामिल है। क्या सिर्फ डाइट को फॉलो करके आसानी से वेट लॉस किया जा सकता है। ये एक मिथक भी हो सकती है क्योंकि एक्सपर्ट कहते हैं कि साथ में फिजिकली एक्टिव रहना चाहिए। डॉक्टर गीतिका चोपड़ा (सेलेब्रिटी न्यूट्रिशनिस्ट) कहती हैं कि सिर्फ डाइट से शुरुआती समय में वजन कम हो सकता है, लेकिन लंबे समय तक स्वस्थ और टिकाऊ वेट लॉस के लिए केवल डाइट काफी नहीं है।

कई रिसर्च बताती है कि वजन कम करना सिर्फ कम खाना नहीं, बल्कि मेटाबॉलिज्म, हार्मोन्स, मसल्स मास, नींद, स्ट्रेस, गट हेल्थ और फिजिकल एक्टिविटी इन सभी का बैलेंस है। एक्सपर्ट से जानें हमें वेट लॉस के लिए डाइट फॉलो करने के अलावा किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

डाइट के साथ ये एक्टिविटी भी करें फॉलो

एक्सपर्ट कहती हैं कि सही वेट लॉस के लिए कैलोरी डिफिक्ट जरूरी है, लेकिन क्रैश डाइटिंग बिल्कुल नहीं। हर मील में हाई क्वालिटी प्रोटीन लेना, वीक में 2-4 दिन स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करना, रोज 7,000-10,000 कदम चलना, 7-8 घंटे की अच्छी नींद लेना और स्ट्रेस को कंट्रोल में रखना उतना ही जरूरी है। अगर सिर्फ डाइट की जाए और प्रोटीन और एक्सरसाइज पर ध्यान न दिया जाए, तो फैट के साथ मसल्स भी कम हो सकती है, जिससे मेटाबॉलिज्म स्लो पड़ सकता है और फ्यूचर में वजन दोबारा बढ़ने (weight regain) का खतरा बढ़ जाता है।

मेटाबॉलिक हेल्थ को बेहतर बनाना

एक्सपर्ट कहती हैं कि हमारा पहला फोकस केवल वजन कम करना नहीं, बल्कि गट इंफ्लामेशन और मेटाबॉलिक हेल्थ को बेहतर बनाना होता है। क्रोनिक गट इंफ्लामेशन पाचन, इंसुलिन रेजिस्टेंस, हार्मोल इंबैलेंस और वेट मैनेजमैंट को प्रभावित कर सकती है।

साथ ही, लंबे समय तक बनी रहने वाली क्रोनिक इंफ्लामेशन कई गंभीर बीमारियों जैसे टाइप 2 डायबिटीज, दिल की बीमारियां और कुछ प्रकार के कैंसर के जोखिम से भी जुड़ी हुई मानी जाती है। इसलिए हम पर्सनाइलज्ड न्यूट्रिशन, गट हीलिंग, एंटी-इंफ्लामेंट्री फूड्स और ससटेनेबल लाइफस्टाइल चेंजिस पर काम करते हैं, ताकि मरीज सिर्फ वजन ही न घटाए, बल्कि अंदर से भी स्वस्थ बने।

हमेशा फॉलो करें ये फॉर्मूला

एक्सपर्ट कहती हैं कि कामयाब वेट लॉस का सही फॉर्मूला है

बैलेंस न्यूट्रिशन
हेल्दी गट
सही प्रोटीन इंटेक
स्ट्रेंथ ट्रेनिंग
क्वालिटी स्लीप
स्ट्रेस मैनेजमेंट
कॉन्सिटेंसी ।D

यही तरीका न सिर्फ वजन कम करता है, बल्कि उसे लंबे समय तक बनाए रखने और पूरी हेल्थ को बेहतर बनाने में भी मदद करता है।

स्ट्रोक से बोलने की क्षमता खो चुके लोगों को राहत, ये म्यूजिक थेरेपी आएगी काम

कुछ लोग स्ट्रोक की वजह से अपने बोलने की क्षमता को खो बैठते हैं। आईआईटी दिल्ली, एम्स नई दिल्ली और इब्हास ने एक ऐसी थेरेपी बनाई है जिससे बोलने की एबिलिटी फिर से आ सकती है। जानें इसके बारे में..

स्ट्रोक से अपने बोलने की ताकत को खो चुके लोगों के लिए एक म्यूजिक थेरेपी काम की साबित हो सकती है। दरअसल, आईआईटी दिल्ली, एम्स नई दिल्ली और इब्हास (IHBAS) ने मिलकर पोस्ट-स्ट्रोक अफेजिया (स्ट्रोक के बाद बोलने में दिक्कत) के इलाज के लिए पहली हिंदी Melodic Intonation Therapy (MIT) विकसित की है। एक्सपर्ट बताते हैं कि ये म्यूजिक बेस्ड थेरेपी है और इसमें धुन और रिदम की हेल्प ली जाती है। ऐसा करके कोशिश की जाती है कि जो लोग स्ट्रोक की वजह से अपनी बोलने की क्षमता को खो चुके हैं, इससे इसे वापस लाया जा सके।

बोल न पाने की क्षमता को फिर से पाना एक तरह का चमत्कार साबित हो सकता है। इस दिक्कते को खत्म करने की ये पहल बेहद कारगर साबित हो सकती है। जानें इसके बारे में सबकुछ...।

क्या कहती है रिसर्च

यह शोध अंतरराष्ट्रीय जर्नल एफ़ेशियोलॉजी में प्रकाशित हुआ है। दरअसल, स्ट्रोक के बाद कई मरीज बोल नहीं पाते, लेकिन उन्हें भाषा समझ आती है और वे पुराने गाने गा सकते हैं। MIT इसी क्षमता का इस्तेमाल कर बोलने की ताकत बढ़ाती है। अब तक यह थेरेपी अंग्रेजी और कुछ पश्चिमी भाषाओं में उपलब्ध थी। हिंदी के लिए पहली बार इसका मान्य संस्करण तैयार किया गया है।

शोधकर्ताओं ने सिर्फ अंग्रेजी शब्दों का अनुवाद नहीं किया, बल्कि हिंदी की लय और बोलने के तरीके के अनुसार पूरी थेरेपी को तैयार किया। पायलट स्टडी में 6 हिंदी भाषी स्ट्रोक मरीजों को शामिल किया गया। सभी मरीजों को 40 सत्र दिए गए। हर सत्र 45 से 60 मिनट का था। सभी 6 मरीजों में बोलने की क्षमता में clinically meaningful (स्पष्ट और उपयोगी) सुधार देखा गया। मरीज पहले से लंबे वाक्य बोलने लगे, ज्यादा सहजता से बात करने लगे और उनकी जीवन की गुणवत्ता में भी सुधार हुआ।

कोई बडे.साइड इफेक्ट का खतरा नहीं

इलाज के दौरान कोई बड़ा साइड इफेक्ट नहीं देखा गया। शोधकर्ताओं ने कहा कि अभी यह शुरुआती अध्ययन है क्योंकि इसमें केवल 6 मरीज शामिल थे। बड़े स्तर पर और अध्ययन की जरूरत है। टीम भविष्य में डिजिटल टूल्स भी विकसित करना चाहती है ताकि यह थेरेपी बड़े शहरों के अस्पतालों से बाहर भी ज्यादा मरीजों तक पहुंच सके। इस शोध का नेतृत्व IIT दिल्ली के प्रो। एन। एम। अनूप कृष्णन, प्रो। राहुल गर्ग और AIIMS की प्रो। दीप्ति विभा ने किया।

सरकारी पोर्टल से ही नहीं इन प्राइवेट ऐप्स पर आसानी से भरें आईटीआर

इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि नजदीक आने पर, टैक्सपेयर ऑनलाइन जमा करने के लिए विभिन्न फिनटेक प्लेटफॉर्म का उपयोग कर सकते हैं। इन सर्विसेज का उद्देश्य प्रोसेस को सरल बनाना है, साथ ही यहां पर एक्सपर्ट की भी हेल्प मिल सकती है। आइए आपको भी है कि आखिर कौन से प्लेटफॉर्म से सुविधा दे रहे हैं, और कितना चार्ज वसूल कर रहे हैं...

असेसमेंट ईयर 202627 (FY2025-26) के लिए इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) फाइल करने की आखिरी तारीख में बस दो दिन बचे हैं। ऐसे में कई टैक्सपेयर्स ऑनलाइन रिटर्न फाइल करने के आसान तरीके ढूंढ रहे होंगे, खासकर वे जिनकी इनकम प्रोफाइल जटिल है और जिनका इन्वेस्टमेंट कई तरह की एसेट क्लास में फैला हुआ है।

हालांकि इनकम टैक्स डिपार्टमेंट का ऑफिशियल पोर्टल आईटीआर फाइल करने का कोर प्लेटफॉर्म है, लेकिन कई फिनटेक और फाइनेंशियल प्लेटफॉर्म अब टैक्स सर्विस प्रोवाइडर्स के साथ पार्टनरशिप करके यूजर्स को डिजिटल रूप से रिटर्न तैयार करने और फाइल करने की सुविधा देते हैं। इनमें अक्सर टैक्स बचाने के सुझाव, पहले से भरी हुई टैक्स डिटेल्स, इन्वेस्टमेंट डेटा का ऑटोमैटिक इंपोर्ट और एक्सपर्ट सपोर्ट जैसी एक्स्ट्रा हेल्प भी मिलती है।

आईटीआर सर्विस देने वाले प्लेटफॉर्म और उनके चार्ज

कई फिनटेक और फाइनेंशियल प्लेटफॉर्म अब अपने ऐप्स में ही इनकम टैक्स फाइलिंग की सुविधा दे रहे हैं, जिससे यूजर्स को अलग टैक्स-फाइलिंग वेबसाइट पर जाए बिना अपना ITR तैयार करने और सबमिट करने में आसानी होती है। इन इन-ऐप सर्विस का मकसद इन्वेस्टमेंट, बैंकिंग और टैक्स से जुड़ी जानकारी को एक ही जगह पर लाकर फाइलिंग प्रोसेस को आसान बनाना है। यहां कुछ ऑप्शन की लिस्ट दी गई है:

पेटीएम: Cleartax के साथ पार्टनरशिप में, Paytm अब सीधे अपने ऐप के जरिए आईटीआर फाइलिंग सर्विस देगा। इस सुविधा में ऑटोमैटिक टैक्स डेटा फेचिंग, पहले से भरा हुआ डेटा और उन लोगों के लिए कई ब्रोकर्स से ट्रेड जानकारी का वन-क्लिक इंपोर्ट शामिल है जिन्होंने कैपिटल गेन किया है। प्लान 11 रुपए से शुरू होता है।

एंजेल वन: स्टॉक-ब्रोकिंग फर्म ने भी अपने यूजर्स को टैक्स-इंटीग्रेटेड ITR फाइलिंग सर्विस देने के लिए Cleartax के साथ करार किया है। यह सुविधा इन्वेस्टर्स को सीधे अपने Angel One अकाउंट से कैपिटल गेन डेटा इंपोर्ट करने की अनुमति देती है, जिससे ITR तैयार करते समय मैनुअल काम कम हो जाता है। यूजर्स खुद फाइल करने और एक्सपर्ट की मदद से फाइल करने वाली सर्विस में से चुन सकते हैं।

फोनपे और जियोफाइनेंस : TaxBuddy के साथ पार्टनरशिप के जरिए, PhonePe और JioFinance दोनों इन-ऐप ITR फाइलिंग सॉल्यूशन देते हैं। इस सर्विस में DIY फाइलिंग के साथ-साथ एक्सपर्ट की मदद से रिटर्न फाइल करने के ऑप्शन भी शामिल हैं, जिसमें एंट्री-लेवल सेल्फ-फाइलिंग प्लान 24 रुपए से शुरू होते हैं।

इंडोमनी: यह प्लेटफॉर्म टैक्सपेयर्स को अपना असेसमेंट ईयर 2026-27 आईटीआर फ्री में फाइल करने की सुविधा देता है। यह US स्टॉक, भारतीय स्टॉक, म्यूचुअल फंड, डिविडेंड, F&O ट्रेड, इंट्राडे ट्रेड और सैलरी से होने वाली इनकम पर अपने आप टैक्स कैलकुलेट करने और एक क्लिक में रिटर्न फाइल करने की सुविधा देता है। ये सभी चीज़ें अपने आप सिंक और कैलकुलेट हो जाती हैं।

ये सुविधाएं दिखाती हैं कि फिनटेक कंपनियां अब पेमेंट और लोन देने से आगे बढ़कर डिजिटल फाइनेंशियल सर्विस की ओर बढ़ रही हैं। सरकारी डेटा के अनुसार, अब तक 4.3 करोड़ से ज्यादा ITR फाइल किए जा चुके हैं, जबकि असेसमेंट ईयर 2026-27 के लिए लगभग 4.1 करोड़ रिटर्न वेरिफाई किए गए हैं।

चूंकि टैक्स डिपार्टमेंट ऑनलाइन रिटर्न फाइलिंग को बढ़ावा दे रहा है और 31 जुलाई की डेडलाइन तक लाखों टैक्सपेयर्स के रिटर्न फाइल करने की उम्मीद है, इसलिए कम लागत वाले ऐप-आधारित फाइलिंग सॉल्यूशन टैक्स से जुड़े नियमों का पालन करना आसान बना सकते हैं। साथ ही, ये देश भर के ज्यादा यूजर्स तक एक्सपर्ट टैक्स मदद भी पहुंचा सकते हैं।

कौन सा आईटीआर फॉर्म कौन फाइल करता है और इसकी डेडलाइन क्या है?

अगर आपको नहीं पता कि कौन सा रिटर्न फॉर्म चुनना है, तो ई-फाइलिंग पोर्टल पर "Help me decide" पर क्लिक करके अपने टैक्सपेयर स्टेटस के आधार पर योग्यता की शर्तें देखें। इन शर्तों को ध्यान से पढ़ें, अपनी योग्यता के हिसाब से फॉर्म चुनें और "Proceed to ITR filing" पर क्लिक करें।

सरकारी पोर्टल से आईटीआर कैसे फाइल करें?

टैक्स डिपार्टमेंट का खास ई-फाइलिंग पोर्टल सभी तरह के टैक्सपेयर्स के लिए ऑनलाइन रिटर्न फाइल करने का ऑफिशियल प्लेटफॉर्म है। यह आपको ऑनलाइन टैक्स भरने और ज़रूरी कानूनी फ़ॉर्म जमा करने की सुविधा भी देता है।

टैक्सपेयर्स अपने PAN डिटेल्स का इस्तेमाल करके लॉग इन कर सकते हैं, सही आईटीआर फॉर्म चुन सकते हैं, अपनी इनकम और डिडक्शन की जानकारी (जहां लागू हो) वेरिफाई कर सकते हैं, बकाया टैक्स (अगर ज़रूरी हो) भर सकते हैं और रिटर्न जमा करने के बाद ई-वेरिफिकेशन पूरा कर सकते हैं।

ई-फाइलिंग पोर्टल उपलब्ध रिकॉर्ड के आधार पर पहले से भरी हुई जानकारी भी देता है, जिसमें फॉर्म 16, एनुअल इन्फॉर्मेशन स्टेटमेंट (AIS) और टैक्सपेयर इन्फॉर्मेशन समरी (TIS) की जानकारी शामिल है।

पढ़ाई के लिए नहीं होगी पैसों की किल्लत! केंद्र सरकार दोगुना करने की तैयारी में एजुकेशन लोन

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार एजुकेशन लोन देने के प्रोसेस को बढ़ाने के लिए देश भर में एक अभियान की तैयारी कर रही है। इसका मकसद अगले साल तक एजुकेशन लोन के डिस्ट्रीब्यूशन को लगभग दोगुना करना है, जिसके लिए तेजी से मंजूरी, कैंपस तक पहुंच और आसान लोन नियम अपनाए जाएंगे। शिक्षा मंत्रालय, वित्त मंत्रालय के साथ मिलकर एक रोडमैप पर काम कर रहा है। इसमें राज्य शिक्षा विभाग, राज्य-स्तरीय बैंकर समितियां (SLBCs) और हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूट्स शामिल हैं, ताकि एजुकेशन फाइनेंस तक पहुंच बेहतर हो सके। बैंकों ने वित्त वर्ष 2026 में लगभग 39,000 करोड़ रुपए के एजुकेशन लोन बांटे थे। जबकि वित्त वर्ष 2025 में ये आंकड़ा 40,253 करोड़ रुपए था।

इस मामले की जानकारी रखने वाले एक सरकारी अधिकारी ने ईटी की रिपोर्ट में कहा कि बैंक लगभग 50,000 हायर हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस में कैंप लगाएंगे ताकि मौके पर ही लोन मंजूर किए जा सकें। उन्होंने कहा कि बैंकों को निर्देश दिया गया है कि वे लोन मंजूरी के प्रोसेस का समय घटाकर 10 दिन करें, यानी इस डेडलाइन के भीतर लोन मंजूरी को अंतिम रूप दें। बैंक के एक सीनियर अधिकारी ने मीडिया रिपोर्ट में कहा कि लगभग 1,000 संस्थानों की पहचान पहले ही कर ली गई है, जहां छात्रों को मौके पर ही लोन मंजूरी की सुविधा दी जा रही है। अधिकारी ने कहा कि कुछ मामलों में हम अन्य सभी तरह के शुल्क भी माफ कर रहे हैं। वित्त वर्ष 2026 में 3,80,000 से ज्यादा एजुकेशन लोन आवेदनों को मंज़ूरी दी गई थी।

क्रेडिट गारंटी कवर बढ़ाने पर भी विचार

सरकार बिना गारंटी (कोलेटरल-फ्री) वाले एजुकेशन लोन के लिए क्रेडिट गारंटी कवर बढ़ाने पर भी विचार कर रही है। इस कदम से बैंक बिना गारंटी के मौजूदा 7.5 लाख रुपए की लिमिट से ज्यादा लोन दे सकेंगे। इस स्कीम के तहत ब्याज दरें बैंक की बाहरी बेंचमार्क वाली लेंडिंग रेट और 50 बेसिस पॉइंट्स तक सीमित हैं। पहले बताए गए अधिकारी ने कहा कि हम उन लोन के लिए को-एप्लिकेंट (सह-आवेदक) की जरूरत को खत्म करने पर भी विचार कर रहे हैं जिन्हें गारंटी कवर मिलता है।

सीजीएफएसईएल कवरेज

फिलहाल, नेशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी द्वारा चलाई जा रही 'क्रेडिट गारंटी फंड स्कीम फॉर एजुकेशन लोन' (CGFSEL), मॉडल एजुकेशन लोन स्कीम सहित योग्य स्कीमों के तहत 7.5 लाख रुपए तक के लोन का 75 फीसदी कवर करती है। दिसंबर 2025 में, संसद की एक स्थायी समिति ने शिक्षा की बढ़ती कॉस्ट, फीस में बढ़ोतरी और बिना गारंटी वाले लोन की बढ़ती जरूरत को देखते हुए CGFSEL गारंटी कवर को बढ़ाकर 20 लाख रुपए करने की सिफारिश की थी। मंगलवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा को बताया कि प्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी योजना (PMVLS) के तहत 2024-25 से 2030-31 की अवधि के लिए ब्याज सब्सिडी पर 3,600 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

सलमान रुश्दी हमला मामला : अमेरिकी अदालत ने हादी मातार को आतंकवाद के आरोपों में दोषी ठहराया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक अदालत ने वर्ष 2022 में न्यूयॉर्क में लेखक सलमान रुश्दी पर चाकू से हमला करने के मामले में एक अमेरिकी नागरिक को संघीय आतंकवाद से जुड़े आरोपों में दोषी ठहराया है। बफेलो (न्यूयॉर्क) की एक संघीय जूरी ने बुधवार को न्यू जर्सी के फेयरव्यू निवासी हादी मातार को दोषी करार दिया। उसे प्रतिबंधित विदेशी आतंकवादी संगठन हिजबुल्ला को मदद देने की कोशिश करने, अंतरराष्ट्रीय सीमा से जुड़े आतंकवादी कृत्य में शामिल होने और आतंकवादियों को सहायता देने के आरोपों में दोषी पाया गया।

न्यूयॉर्क के पश्चिमी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी माइकल डीजियाकोमो ने कहा कि अमेरिका में जन्मे और पले-बढ़े हादी मातार (28 वर्षीय) ने अपने मूल्यों को ईरान के नेताओं की उस आतंकवादी सोच के साथ जोड़ लिया, जो अक्सर हिंसा और इस मामले में हत्या की अपील करते हैं।

डीजियाकोमो ने कहा कि मातार ने कई महीनों तक सलमान रुश्दी की हत्या की योजना बनाई और उसकी तैयारी की। उन्होंने कहा कि वह उन लोगों जैसा बनना चाहता था, जिन्हें वह शहीद मानता था। लेकिन उसका आतंकवादी हमला सफल नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि आम लोगों और कानून लागू करने वाली एजेंसियों की बहादुरी की वजह से सलमान रुश्दी बच गए और मातार को पकड़ लिया गया 12 अगस्त 2022 को मातार ने सलमान रुश्दी की हत्या करने की कोशिश की थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, उसने यह हमला 1988 में प्रकाशित रुश्दी के उपन्यास 'सैटेनिक वर्सेज' को लेकर जारी किए गए फतवे को पूरा करने के मकसद से किया था। राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों के सहायक अटॉर्नी जनरल जॉन ए. आइजनबर्ग ने कहा, मातार ने एक साल से अधिक समय तक हिजबुल्ला की हिंसक विचारधारा को अपनाया। ईरान के अयातुल्लाओं की ओर से जारी उस फतवे को लागू करने की तैयारी की, जिसमें रुश्दी की हत्या की बात कही गई थी। उन्होंने कहा, शांतिपूर्ण कार्यक्रम के दौरान रुश्दी पर उसका हमला यह दिखाता है कि ईरानी आतंकवाद का असर दुनिया के कई हिस्सों तक पहुंचता है। आज के फैसले के साथ न्याय हुआ है। मातार को अपने अपराधों की सजा मिलेगी। एफबीआई के आतंकवाद-रोधी विभाग के सहायक निदेशक जरोड ब्राउन ने कहा, यह कोई अचानक किया गया हमला नहीं था। मातार ने एक प्रतिबंधित विदेशी आतंकवादी संगठन के समर्थन में हिंसक हमला किया। वह पीड़ित के खिलाफ जारी फतवे को लागू करना चाहता था। उन्होंने कहा, आज के फैसले के बाद इस हमलावर को आतंकवाद में शामिल होने की कीमत चुकानी होगी। एफबीआई और उसके सहयोगी आतंकवादियों और उनका साथ देने वालों को कानून के दायरे में लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सरकार की ओर से अदालत में पेश किए गए सबूतों के अनुसार, मातार ने हमला करने का फैसला लेने से पहले एक साल से अधिक समय तक फतवे और उसकी वैधता पर शोध किया। उसने यह हमला उस समय करने की योजना बनाई, जब सलमान रुश्दी न्यूयॉर्क के मेविल स्थित चौटाउक्वा इंस्टीट्यूशन में भाषण दे रहे थे। हमले से पहले मातार ने ईरान, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा में मौजूद कुछ लोगों के साथ फतवे और हिजबुल्ला के उसके समर्थन पर चर्चा भी की थी। उसने फतवे पर कई वीडियो भी बनाए थे। इनमें 'रुश्दी फतवा 2.0' और 'रुश्दी फतवा 6.0' जैसे शीर्षक शामिल थे। हादी मातार चौटाउक्वा इंस्टीट्यूशन 'हसन मुगनियेह' नाम का इस्तेमाल करके पहुंचा था और उसके पास इसी नाम का फर्जी ड्राइविंग लाइसेंस भी था। मातार के फर्जी नाम में हसन नाम हिजबुल्ला के महासचिव हसन नसरल्लाह से लिया गया था, जबकि मुगनियेह नाम हिजबुल्लाह के पूर्व बाहरी सुरक्षा प्रमुख इमाद मुगनियेह से लिया गया था।

'जरूरी नहीं, पर ईरान पर भी लगे टैरिफ': रूस प्रतिबंध बिल पर बोले ट्रंप, भारत पर भी मंडराया 100% शुल्क का खतरा?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संसद में पारित हुए रूस प्रतिबंध विधेयक पर अपनी पहली प्रतिक्रिया दी है। अमेरिकी सीनेट से मंजूरी पाने वाला यह विधेयक भारत सहित पांच देशों पर 100% तक सीमा शुल्क (टैरिफ) लगाने का प्रावधान रखता है। ट्रंप ने इस बिल में संशोधन का सुझाव देते हुए कहा कि राष्ट्रपति को केवल प्रतिबंध लगाने ही नहीं, बल्कि ईरान पर भी टैरिफ लगाने का व्यापक अधिकार दिया जाना चाहिए।

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच मॉस्को पर आर्थिक दबाव बढ़ाने के उद्देश्य से लाया गया यह बिल अगर पूरी तरह कानून बन जाता है, तो भारत और अमेरिका के व्यापारिक रिश्तों में नया तनाव पैदा हो सकता है।

मामले से जुड़ी पांच बड़ी बातें

ट्रंप की नई शर्तः अमेरिकी राष्ट्रपति ने विधेयक में ईरान पर भी भारी टैरिफ लगाने का अधिकार शामिल करने की मांग रखी।

100% टैरिफ का डरः बिल के तहत रूस से कच्चा तेल खरीदने वाले देशों (भारत, चीन, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान) पर 100% तक टैरिफ लगाया जा सकता है।

भारत की स्थितिः चीन के बाद भारत रूसी कच्चे तेल का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार है।

संसद में गतिरोधः सीनेट में 86-12 से वोट मिलने के बावजूद डेमोक्रेट्स ट्रंप को टैरिफ का असीमित अधिकार देने का विरोध कर रहे हैं।

व्यापारिक वार्ताओं पर असरः नए कानून से भारत-अमेरिका के बीच जारी प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर संकट के बादल मंडरा सकते हैं।

क्या अटक जाएगा नया कानून?

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो इसकी जरूरत नहीं होनी चाहिए। लेकिन अगर यह जरूरी है, तो मैं चाहता हूं कि वे इसमें सिर्फ प्रतिबंधों तक सीमित न रहें, बल्कि ईरान पर टैरिफ लगाने का प्रावधान भी जोड़ें। दिवंगत सीनेटर लिंडसे ग्राहम भी यही चाहते थे।'

विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप के इस रुख से विधेयक का हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स (निचले सदन) में पास होना मुश्किल हो सकता है। डेमोक्रेटिक पार्टी के कई नेता राष्ट्रपति को टैरिफ लगाने के असीमित अधिकार देने का विरोध कर रहे हैं। उनका तर्क है कि इससे अमेरिका में आयात शुल्क बढ़ जाएगा, जिससे आम नागरिकों पर महंगाई का बोझ बढ़ेगा।

भारत-अमेरिका संबंधों पर क्या पड़ेगा असर?

अमेरिका ने अगस्त 2025 में भी भारत द्वारा रूसी ऊर्जा खरीद पर 25% अतिरिक्त टैरिफ लगाया था, जिससे कुल शुल्क बढ़कर 50% हो गया था। हालांकि, फरवरी में अमेरिका-ईरान तनाव के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने से वैश्विक ऊर्जा संकट गहरा गया था। तब अमेरिका ने भारत को छूट दी थी, जिसके बाद जून 2026 में भारत का रूसी तेल आयात रिकॉर्ड 34% बढ़कर €4.5 अरब तक पहुंच गया था। अब यदि यह नया प्रतिबंध विधेयक लागू होता है, तो दोनों देशों के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते को बड़ा झटका लग सकता है, जिसमें भारतीय निर्यात पर शुल्क घटाकर 18% करने की बातचीत चल रही है।

होर्मुज के बाद अब लाल सागर पर होगा संग्राम! हूती के नए प्लान से और भड़केंगे ट्रंप?

वॉशिंगटन, एजेंसी। होर्मुज स्ट्रेट को लेकर बवाल मचा ही हुआ है, अब यमन में ईरान समर्थित हूथी विद्रोही भी दुनिया के सबसे अहम समुद्री मार्गों में से एक बाब अल-मंदेब स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों से जहाजों पर ट्रांजिट फीस लेने का विचार कर रहे हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, यह प्रस्ताव ऐसे समय सामने आया है जब हूतियों ने हाल ही में सऊदी अरब के खिलाफ समुद्री नाकेबंदी का ऐलान किया है। इसके साथ ही पश्चिम एशिया में तनाव का स्तर बढ़ गया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक हूतियों ने इस प्रस्ताव पर ईरानी अधिकारियों के साथ चर्चा की थी, जब उनका प्रतिनिधिमंडल ईरान में सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के जनाजे के कार्यक्रम में पहुंचा था। सूत्रों के मुताबिक, ईरान ने हूतियों को एक रेगुलेटरी बॉडी बनाने की सलाह भी दी है, जो बाब अल-मंदेब से गुजरने वाले जहाजों पर लगने वाली ट्रांजिट फीस की निगरानी और प्रबंधन कर सके। हालांकि, अभी तक इस ट्रांजिट फीस को लागू करने की कोई समयसीमा तय नहीं की गई है।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि प्रस्तावित योजना के तहत चीनी जहाजों को ट्रांजिट फीस से छूट मिल सकती है। सूत्रों का कहना है कि हाल के महीनों में चीन और हूती समूह के बीच सीधी बातचीत हुई है ताकि दक्षिणी लाल सागर से गुजरने वाले चीनी व्यापारिक और ऊर्जा जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। बता दें कि चीन, सऊदी अरब के कच्चे तेल का सबसे बड़ा आयातक है और लाल सागर का यह समुद्री मार्ग उसके लिए रणनीतिक रूप से बेहद अहम है।

यमन सरकार ने जताई चिंता

यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार की नामित विदेश मंत्री अफराह अल-जोबा ने रॉयटर्स से कहा कि हूती लाल सागर पर अपना कंट्रोल मजबूत करने कोशिश कर रहे हैं। अगर वह ऐसा कर लेते हैं तो जहाजों से ट्रांजिट शुल्क वसूलने की भी कोशिश करेंगे।

बाब अल-मंदेब क्यों है इतना अहम?

बाब अल-मंदेब स्ट्रेट यमन और अफ्रीका के हॉर्न क्षेत्र के बीच स्थित है। यह दक्षिणी लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ता है। इसे दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री 'चोक पॉइंट्स' में गिना जाता है।सामान्य परिस्थितियों में दुनिया के करीब 12 से 15 प्रतिशत समुद्री व्यापार इसी रास्ते से गुजरते हैं। विश्व के कंटेनर शिपिंग का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा इसी मार्ग पर निर्भर करता है। हर साल 20,000 से अधिक कार्गो जहाज इस जलमार्ग का इस्तेमाल करते हैं। रोजाना तकरीनबन 50 से 60 बड़े मालवाहक जहाज यहां से गुजरते हैं।

तेल और एलनजी के सप्लाई पर पड़ेगा असर

इस रास्ते हर दिन करीबन 40 लाख से 80 लाख बैरल कच्चा तेल और बड़ी मात्रा में एलएनजी (LNG) दुनिया के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचती है। अगर इस स्ट्रेट पर ट्रांजिट फीस लागू होती है या सुरक्षा जोखिम बढ़ता है, तो शिपिंग लागत बढ़ सकती है, जिसका असर तेल की कीमतों, सप्लाई चेन और अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर पड़ सकता है। साथ ही लाल सागर क्षेत्र में पहले से जारी तनाव और गहरा सकता है। हूतियों का रिका और उसके सहयोगी देशों के साथ टकराव बढ़ सकता है।

कैसे रुकेगी मिलावटखोरी? लाखों में लिए जाते हैं सैंपल लेकिन सजा का प्रतिशत काफी कम

नई दिल्ली, एजेंसी। आज के दौर में मिलावटखोरी बड़ी समस्या बन गई है। खासकर खाने के सामान में इसका बढ़ता दबदबा सीधे तौर पर लोगों के स्वास्थ्य से बड़ा खिलवाड़ है। सरकारी आंकड़ों में मिलावट की जांच के लिए सैंपल तो लाखों में लिए जाते हैं, लेकिन जब सैंपल फेल हो जाते हैं और बात मिलावट की सामने आती है तो सजा का प्रतिशत काफी कम है। इस तरह के ज्यादातर मामलों में बस जुर्माना लगाकर मामले में निपटारा कर दिया जाता है। ऐसे में मिलावटखोरी जिस तरीके से अपनी पैठ जमा रहा है, उससे तो निपटारा और राहत मिलने का सपना पूरा हो जाए, ऐसा मुश्किल ही लगता है। अब इन बताई गई बातों को आंकड़ों के जरिए समझते हैं।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने लोकसभा में एक लिखित जवाब में बताया कि 2021-22 से 2025-26 तक देशभर में लगभग 8।87 लाख खाद्य सैंपल की जांच की गई। इनमें से करीब 1.85 लाख सैंपल (लगभग 21%) क्वालिटी स्टैंडर्ड पर खरे नहीं उतरे। ये FSSAI और राज्य खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा किए गए सैंपल टेस्टिंग के सरकारी आंकड़ों पर आधारित हैं। इनमें से उत्तर प्रदेश राज्य में सबसे ज्यादा फेल सैंपल मिले हैं।

अब इतनी बड़ी मात्रा में लापरवाही और मिलावटखोरी करने वालों के लिए दी जाने वाले सजा पर गौर करें तो इसकी संख्या काफी कम है। 2025-26 के आंकड़ों के मुताबिक, पैकेट वाले सामान में कम मात्रा देने के 381 मामले दर्ज हुए और 71।81 लाख रुपये जुर्माना वसूला गया। खुले रूप में सामान कम तौलकर बेचने के 2046 केस दर्ज हुए और 1.47 करोड़ रुपये वसूला गया। सिर्फ 2025-26 में FSSAI और राज्य सरकारों ने 2,23,808 खाद्य सैंपल की जांच की। इनमें से 40,023 सैंपल खराब या मानकों के खिलाफ मिले। इनमें 9,086 असुरक्षित (खतरनाक), 26,754 घटिया क्वालिटी वाले, 4,225 लेबलिंग में गलती या गलत जानकारी वाले थे। अब इनमें से कितने पर कार्रवाई की गई। 31,878 सिविल केस में 109.11 करोड़ रुपये जुर्माना वसूला गया। 1,918 क्रिमिनल केस में दोषसिद्धि हुई और 5.71 करोड़ रुपये जुर्माना लगा। यानी ज्यादातर मामलों में जुर्माना, लाइसेंस रद्द जैसी कार्रवाइयां की गईं।

गुजरात में क्या हैं आंकड़े?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, गुजरात ने 2021-22 से 2025-26 के बीच खाने-पीने की चीजों के 68,356 सैंपल की जांच की। इनमें से 4,437 सैंपल मानकों के मुताबिक नहीं पाए गए, यानी कुल मिलाकर लगभग 6.5 प्रतिशत सैंपल फेल रहे। इसी दौरान, अधिकारियों ने 4,617 मामलों में जुर्माना लगाने की कार्रवाई शुरू की, लेकिन सिर्फ 259 मामलों में ही दोषियों को सजा दिला पाए।

हॉकी इंडिया की जर्सी का रंग बदलने पर भड़कीं प्रियंका गांधी, सरकार और आरएसएस पर साधा निशाना, क्या कहा?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की राष्ट्रीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग नीले से बदलकर भगवा किए जाने पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को सरकार पर निशाना साधा।

प्रियंका गांधी ने क्या कहा?

उन्होंने कहा, चाहे वे जर्सी का रंग बदलें या शिक्षा नीति के जरिये इतिहास को फिर से लिखने की कोशिश करें, वे चाहे जो भी करें। आपने देखा है कि हमारे देश के युवा क्या सोचते हैं। आपने जंतर-मंतर पर जुटे युवाओं की बात सुनी है। यह देश की आवाज है।

आरएसएस पर साधा निशाना

प्रियंका गांधी ने कहा, अहिंसा और सत्य पर इस देश की आजादी की लड़ाई की नींव रखी गई थी। इसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की कोई भूमिका नहीं थी। पूरा देश इस सच्चाई को जानता है। जिन लोगों को नहीं पता था, उनको आज पता चल रहा कि इनकी नीयत क्या है।

'कायम रहेगी देश की आत्मा'

कांग्रेस सांसद ने आगे कहा, महात्मा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने आंदोलन का नेतृत्व किया था। इस देश की आत्मा अहिंसा, सत्य और भाईचारे पर आधारित है। इसे कोई नहीं छीन सकता, न आरएसएस और न ही कोई और। वे चाहे जितना भी समाज में विभाजन पैदा करें, हिंसा भड़काएं या नफरत फैलाएं, लेकिन देश की आत्मा कायम रहेगी, जो भाईचारे, आपसी प्रेम और एकता से बनी है। वे इसे खत्म नहीं कर सकते। उन्होंने आगे कहा, (लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष) राहुल जी आपके सामने जिस लड़के के पूरे शरीर में पैलेट के निशान दिखा रहे थे, वे पैलेट कहां से आए? क्या वे आसमान से गिर गए थे?

शोभा डे ने सलमान खान के 'इट्स डन ब्रो' पोस्ट को बताया 'क्रिंज', बॉलीवुड पर भी साधा निशाना

शोभा डे ने सोनम वांगचुक के भूख हड़ताल के दौरान सलमान खान के सोशल मीडिया पोस्ट का मजाक उड़ाते हुए उसे 'क्रिंज' बताया। शोभा डे ने यह बात अपने लेख में कही, जो दप्रिंट में प्रकाशित हुआ है। उन्होंने कहा कि बॉलीवुड के बड़े सितारे इस मुद्दे को समझ नहीं पाए और जेन जी की सोच से काफी दूर नजर आए।

उन्होंने खास तौर पर कंगना रनौत, हेमा मालिनी और अनुपम खेर के बयानों पर भी सवाल उठाए। सलमान खान के पोस्ट पर तंज कसते हुए उन्होंने लिखा, 'सलमान खान ने सोनम वांगचुक को 'ब्रो' कहकर संबोधित किया और उन्हें घर का खाना भेजने की बात कही ताकि वे अपना अनशन तोड़ दें।

इस पर लोगों ने तारीफ नहीं, बल्कि मजाक उड़ाया। शायद सलमान को लगा कि वह 'कूल' बन रहे हैं, लेकिन जेन जी के लिए 'कूल' की परिभाषा अलग है। और यह मैसेज बिल्कुल भी कूल नहीं था।'

उन्होंने आगे लिखा, 'बॉलीवुड पहले कभी इतना 'अनकूल' और इतना गैर-जरूरी नहीं लगा। कुछ सितारों ने ऐसे पोस्ट किए जैसे वो चैटजीपीटी से लिखवाए गए हों, और वो भी तब जब उन्हें कहीं से इशारा मिला।

जिन सितारों की फिल्में यंग इंडिया पर निर्भर करती हैं, वही अब मजाक का शिकार बन रहे हैं। हेमा मालिनी और अनुपम खेर जैसे सीनियर सितारों ने भी हालात को और बिगाड़ा, वहीं कंगना रनौत ने अपने बयानों से बचे-खुचे जेन जी फैंस भी खो दिए।'

उन्होंने जेन जी के बारे में कहा कि यह पीढ़ी किसी सेलिब्रिटी की मोहताज नहीं है। 'जेन जी को किसी स्टार के सपोर्ट की जरूरत नहीं है, बल्कि अब सितारों को जेन जी की जरूरत है। यह एक ऐसी पीढ़ी है जो अपने तरीके से सोचती, बोलती और आगे बढ़ती है।' सलमान खान ने इंस्टाग्राम पर सोनम वांगचुक से अपील की थी कि वह अपनी हड़ताल को आगे न बढ़ाएं। उन्होंने लिखा, 'सोनम, इट्स डन ब्रो। इसे और मत बढ़ाओ। कुछ खा लो। अगर चाहो तो मैं घर से खाना भेज दूंगा।'

'मैं वापस आऊंगा' के बाद फिर साथ में काम करने के लिए तैयार शरवरी और वेदांग रैना? इम्तियाज अली से मिलाया हाथ

फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में दर्शकों की दिल जीतने के बाद शरवरी वाघ और वेदांग रैना एक बार फिर एक नए प्रोजेक्ट में एक-साथ नजर आने वाले हैं। खबरों की मानें तो इन कलाकार को निर्देशक इम्तियाज अली की अगली रोमांटिक फिल्म में लीड रोल के लिए साइन किया गया है। इसकी शूटिंग नवंबर में शुरू हो सकती है।

पिंकविला के अनुसार, लंबे समय तक चली राइटिंग प्रोसेस के बाद बिना नाम वाली फिल्म की पटकथा पूरी हो गई है। इसका मुख्य डेवलपमेंट का काम पूरा हो चुका है। कास्टिंग भी पूरी हो गई है और अब प्रोडक्शन टीम लोकेशन खोजने, शेड्यूल बनाने और दूसरी योजना पर ध्यान देगी। ताकि इस साल के आखिर में शूटिंग शुरू हो सके।

सब कुछ सही चल रहा है

प्रोजेक्ट से जुड़े सूत्रों ने बताया कि मेकर्स को भरोसा है कि सब कुछ सही चल रहा है। टीम अब प्री-प्रोडक्शन के आखिरी स्टेज में है और यह पक्का कर रही है कि नवंबर में प्रोडक्शन शुरू होने से पहले सभी क्रिएटिव और टेक्निकल इंतजाम पूरे हो जाएं।

लीड जोड़ी की वापसी

इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि इम्तियाज अली को लगता है कि शरवरी और वेदांग रैना फिल्म के इमोशनल माहौल के लिए एकदम सही हैं। दोनों एक्टर्स ने हाल के कुछ परफॉर्मेंस से अपनी अच्छी पहचान बनाई है। उनका साथ आना इस प्रोजेक्ट की सबसे बड़ी खूबियों में से एक होगा।

चर्चा में रही जोड़ी

'मैं वापस आऊंगा' में उनकी जोड़ी चर्चा में रही थी। दूसरी बार उनका साथ आना उन दर्शकों के लिए और भी रोमांचक है, जो उन्हें फिर से साथ देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे।

'मैं वापस आऊंगा' इसी साल 12 जून को रिलीज हुई थी। बॉक्स ऑफिस पर इसने ठीक-ठाक प्रदर्शन किया है।

राखी सावंत ने कंगना रनौत पर निकाली भड़ास, जेन-जी पर दिए बयान को लेकर सुनाई खरी-खोटी

राखी सावंत ने बीजेपी सांसद कंगना रनौत के जेन जी, छात्रों और महिलाओं पर दिए गए बयानों को लेकर नाराजगी जताई है। राखी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर कंगना पर जमकर निशाना साधा है।

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने हाल ही में एक वीडियो जारी करके उन युवाओं के प्रति अपनी नाराजगी जताई थी, जिन्होंने सीजेपी प्रोटेस्ट में शामिल होने के बाद पीएम मोदी को अपशब्द कहे। अब कंगना के उस वीडियो पर राखी सावंत ने उन पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने एक इंस्टाग्राम वीडियो साझा कर कंगना को खूब बुरा भला कहा।

राखी ने कंगना के राजनीतिक करियर पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, 'तुम MP कैसे बन गईं? अगर तुम खुद चुनाव लड़ो तो तुम्हें लोगों के वोट भी नहीं मिलेंगे। मुझे समझ नहीं आता कि तुम मंडी में इतनी बड़ी नेता कैसे बन गईं और इस मुकाम तक कैसे पहुंचीं।'

राखी का यह रिएक्शन उस वक्त आया जब कंगना रनौत ने इंस्टाग्राम पर कुछ पोस्ट शेयर करते हुए जेन जी को 'जनरेशन गटर' कहा था। उन्होंने कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़े छात्र प्रदर्शन में शामिल महिलाओं की भी आलोचना की थी। कंगना ने यहां तक कहा था कि NEET पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोग 'कॉकरोच जैसे दिखते और व्यवहार करते हैं' और इन वीडियोज को 'देखकर उल्टी आती है।'

बेटियों के बारे में कैसी बातें कर रही हो

जेन जी और लड़कियों पर दिए गए बयान पर भी राखी ने कड़ा विरोध जताया। उन्होंने कहा, 'तुम हमारे देश की बेटियों के बारे में कैसी बातें कर रही हो? मेरे स्टूडेंट्स के बारे में क्या बोल रही हो? तुम संसद में बैठकर देश की लड़कियों के बारे में गलत बातें कर रही हो।'

राखी ने 2024 के उस विवाद का भी जिक्र किया, जब चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर एक CISF जवान ने कंगना को थप्पड़ मारा था। उन्होंने कहा, 'तुम्हें एयरपोर्ट पर थप्पड़ पड़ा था, याद है? क्या तुम्हें डर नहीं लगता? अगर तुम ऐसे ही बोलती रहीं तो हर जगह लोगों का गुस्सा झेलना पड़ेगा।'उन्होंने कंगना को बिना सिक्योरिटी बाहर निकलने की चुनौती भी दी और कहा कि तब उन्हें देश के युवाओं की ताकत समझ आएगी।

पहले अपना कैरेक्टर देखो

राखी ने कंगना के बॉलीवुड करियर और पुराने विवादों पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा, 'पहले अपना कैरेक्टर देखो, तुमने बॉलीवुड में क्या-क्या किया है। तुम्हारी भाषा बहुत खराब है। तुम मेरे देश की लड़कियों के खिलाफ बोल रही हो- क्या तुम्हें इसका हक है?'

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com